ज्ञानामृत
जैसे सूर्य आकाश में छुप कर नहीं विचर सकता उसी प्रकार महापुरुष भी संसार में गुप्त नहीं रह सकते।
व्यास

राष्ट्र को समर्पित
विजय मत
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | भोपाल, मंगलवार, 07 अप्रैल 2026 | वर्ष- 11 | अंक- 117 | पेज- 08 | मूल्य- 5 रुपए /-

न्यूज इन शॉर्ट

आरबीआई की मौद्रिक नीति पर मंथन शुरू, कल आ सकता है फैसला

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक सोमवार से शुरू हो गई है। यह चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक समीक्षा बैठक है, जिसमें महंगाई और

वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए नीतिगत दरों पर निर्णय लिया जाएगा। गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय समिति का फैसला बुधवार को घोषित किया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा हालात को देखते हुए रेपो दर को यथावत रखा जा सकता है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और रुपये में गिरावट ने महंगाई को लेकर चिंता बढ़ा दी है। अनुमान है कि कच्चे तेल की कीमत में प्रति बैरल 10 डॉलर की बढ़ोतरी से महंगाई करीब 0.60 प्रतिशत तक बढ़ सकती है।

राज्यसभा में नए सदस्यों ने ली शपथ, मेनका बनीं पहली क्वीर सांसद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय संसदीय इतिहास में नया अध्याय जुड़ गया, जब राज्यसभा में 19 नवनिर्वाचित और पुनर्निर्वाचित सदस्यों ने शपथ ली। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सदस्यों को पद और गोपनीयता की

शपथ दिलाई। इस समारोह का मुख्य आकर्षण मेनका गुरुस्वामी रहीं, जिन्होंने पश्चिम बंगाल से तृणमूल कांग्रेस सांसद के रूप में शपथ ली। वह देश की पहली ऐसी सांसद बनी हैं, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से अपनी पहचान एक क्वीर व्यक्ति के रूप में साझा की है। 51 वर्षीय गुरुस्वामी संवैधानिक वकील हैं और वर्ष 2018 में धारा 377 को निरस्त कराने वाली ऐतिहासिक कानूनी लड़ाई के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने शपथ के बाद कहा कि वह संविधान के समानता और भेदभाव रहित मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए काम करेंगी।

चंद्र मिशन में नया इतिहास, आर्टेमिस-2 ने तोड़ा 53 साल पुराना रिकॉर्ड

वॉशिंगटन, एजेंसी। आर्टेमिस-2 मिशन ने मानव अंतरिक्ष उड़ान के इतिहास में नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। इस मिशन का दल पृथ्वी से 4,06,773 किलोमीटर दूर पहुंच

चुका है, जो अब तक की सबसे लंबी मानव अंतरिक्ष यात्रा है। इससे पहले यह रिकॉर्ड अपोलो 13 के नाम था, जिसने 1970 में 4,00,171 किलोमीटर की दूरी तय की थी। आर्टेमिस-2 मिशन के चार अंतरिक्ष यात्री अब चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र में प्रवेश कर चुके हैं। यह मिशन 7 अप्रैल 2026 को भारतीय समयानुसार रात 12:15 बजे चंद्रमा के पास से गुजरेगा और उसके दूरस्थ हिस्से का चक्कर लगाकर पृथ्वी की ओर लौटेगा। पिछले 53 वर्षों से मानव अंतरिक्ष उड़ान पृथ्वी के आसपास सीमित रही है।

भूस्खलन से जम्मू-श्रीनगर हाईवे बंद, सैकड़ों वाहन फंसे, यातायात ठप

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में सोमवार तड़के भारी बारिश के चलते भूस्खलन और चट्टानों से पत्थर गिरने की घटनाओं के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-

44) को बंद कर दिया गया। इससे हाईवे के दोनों ओर सैकड़ों वाहन फंस गए और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रैफिक अधिकारियों के अनुसार, सुबह करीब 3 बजे करोल ब्रिज और चंदरकोट के बीच सुरंगों के पास भूस्खलन हुआ, जिससे सड़क पूरी तरह अवरुद्ध हो गई। सुरक्षा के मद्देनजर जम्मू से श्रीनगर और श्रीनगर से जम्मू जाने वाले सभी वाहनों को बीच रास्ते में ही रोक दिया गया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे गैर-जरूरी यात्रा से बचें और केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें। सोशल मीडिया पर चल रही अपुष्ट खबरों से दूर रहने की सलाह दी गई है।

मुख्यमंत्री ने किया समग्र क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

एनएसजी भारत का अभेद्य कवच, इनसे हम हर हाल में सुरक्षित हैं : सीएम मोहन

विजय मत, भोपाल

मोहन यादव ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड देश का अभेद्य सुरक्षा कवच है और इसकी मौजूदगी ही नागरिकों को हर हाल में सुरक्षित होने का भरोसा देती है। उन्होंने लाल परेड मैदान में आयोजित समग्र क्षमता निर्माण प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर कहा कि भारत अब हर चुनौती का जवाब उसी भाषा में देने में सक्षम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिवादी ताकतें देश के विकास में सबसे बड़ी बाधा हैं और उनसे पूरी मजबूती से निपटना आवश्यक है। उन्होंने एनएसजी जवानों के साहस, अनुशासन और तकनीकी दक्षता की सराहना करते हुए कहा कि यह बल विश्व स्तर पर अपनी पेशेवर क्षमता के लिए जाना जाता है। कार्यक्रम में एनएसजी कमांडो ने मॉक टेरर अटैक का सजीव प्रदर्शन किया, जिसमें हमले की स्थिति से निपटने की पूरी रणनीति दिखाई गई। मुख्यमंत्री ने इसे पराक्रम और कौशल का अद्भुत उदाहरण बताते हुए कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से सुरक्षा बलों की वास्तविक परिस्थितियों में काम करने की क्षमता बढ़ती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। काउंटर टेररिस्ट ग्रुप के आधुनिकीकरण के लिए 200 करोड़ रुपये की योजना तैयार की गई है। साथ ही भोपाल के तूमड़ा क्षेत्र में अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा, जिससे सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक और रणनीति से प्रशिक्षित किया जा सके। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश के मध्य में स्थित होने के कारण यह केंद्र राष्ट्रीय सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

तूमड़ा में बनेगा अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र

मुख्यमंत्री ने भोपाल के तूमड़ा क्षेत्र में अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की घोषणा को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह केंद्र सुरक्षा बलों को हर प्रकार की चुनौती से निपटने के लिए तैयार करेगा। यहां आपदा प्रबंधन, आतंकवाद विरोधी अभियानों और विशेष रणनीतियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पहले ही नक्सलमुक्त हो चुका है और अब इस तरह की पहल से राज्य राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में और मजबूत पहचान बनाएगा। यह केंद्र देशभर के सुरक्षा बलों के लिए भी उपयोगी साबित होगा।

एनएसजी का शौर्य और प्रदर्शन बना आकर्षण का केंद्र

लाल परेड मैदान में आयोजित कार्यक्रम में एनएसजी कमांडो द्वारा किया गया प्रदर्शन मुख्य आकर्षण रहा। जवानों ने मॉक टेरर अटैक की स्थिति को जीवंत रूप में प्रस्तुत कर बताया कि किस तरह सेकंडों में रणनीतिक कार्रवाई की जाती है। हवा में करतब, त्वरित घेराबंदी और आधुनिक हथियारों के उपयोग ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। मुख्यमंत्री ने इसे साहस, अनुशासन और तकनीकी दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे अभ्यास सुरक्षा बलों को किसी भी आपात स्थिति में प्रभावी कार्रवाई के लिए तैयार करते हैं।

सुरक्षा बलों के आधुनिकीकरण पर सरकार का फोकस

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सुरक्षा बलों को आधुनिक बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। एटीएस और काउंटर टेररिस्ट ग्रुप को नई तकनीक, आधुनिक हथियार और विशेष प्रशिक्षण से सशक्त किया जा रहा है। 200 करोड़ रुपये की योजना के माध्यम से इन इकाइयों की क्षमता को और बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बदलते समय में आतंकवाद और नक्सलवाद जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए तकनीकी रूप से सक्षम सुरक्षा तंत्र बेहद जरूरी है।

भाजपा स्थापना दिवस पर भविष्य की राजनीतिक दिशा का संकेत

यूसीसी और एक देश-एक चुनाव होगा अगला मिशन : नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

नरेंद्र मोदी ने भाजपा के स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आने वाले समय की राजनीतिक प्राथमिकताओं का स्पष्ट संकेत दिया। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता और एक देश-एक चुनाव जैसे मुद्दे अब सरकार के अगले मिशन होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में इन विषयों पर गंभीर चर्चा चल रही है और भाजपा हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने स्थापना दिवस को केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं के लिए भावनात्मक अवसर बताते हुए कहा कि भाजपा उनके लिए मां के समान है। यह दिन राष्ट्र सेवा के लिए समर्पण और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है। प्रधानमंत्री ने कार्यकर्ताओं के संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि आपातकाल से लेकर विभिन्न राज्यों में राजनीतिक हिंसा तक, कार्यकर्ताओं ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और संगठन को मजबूत किया।

संगठन के संघर्ष और कार्यकर्ताओं की भूमिका

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा का इतिहास संघर्ष, समर्पण और विचारधारा की ताकत से बना है। उन्होंने बताया कि शुरुआती वर्षों में पार्टी को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन कार्यकर्ताओं ने कभी हार नहीं मानी।

सेवा आधारित राजनीति और भविष्य का एजेंडा

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि भाजपा की राजनीति सत्ता प्राप्त करने के लिए नहीं, बल्कि सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए है। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता और एक देश-एक चुनाव जैसे विषय देश को मजबूत और संगठित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होंगे।

प.एशिया पर टकराव तेज, ईरान का वार्ता से इनकार

हमले जारी रहे तो कोई वार्ता नहीं और होर्मुज भी नहीं खोलेंगे : ईरान

तेहरान, एजेंसी

पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान ने साफ कर दिया है कि जब तक अमेरिका और इजराइल की ओर से हमले जारी रहेंगे, वह किसी भी तरह की सीधी वार्ता में शामिल नहीं होगा। ईरान ने यह भी कहा कि उसने मध्यस्थों के जरिए मिले प्रस्तावों पर अपना जवाब तैयार कर लिया है, लेकिन अमेरिकी प्रस्तावों को अत्यधिक और अव्यावहारिक बताया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि धमकियों के बीच बातचीत संभव नहीं है। उन्होंने दो टूक कहा कि कोई भी समझौता तभी स्वीकार होगा, जब वह देश की सुरक्षा के हित में होगा। ईरान ने अस्थायी युद्धविराम के बदले होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने से भी इनकार कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, बिना स्थायी समाधान के किसी अस्थायी समझौते का कोई महत्व नहीं है। इस बीच, ईरान ने अमेरिका और इजराइल पर दक्षिणी क्षेत्र असलूयेह स्थित प्राकृतिक गैस संयंत्र पर हमले का आरोप लगाया है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि यदि होर्मुज नहीं खोला गया तो ऊर्जा ठिकानों पर बड़े हमले किए जा सकते हैं।

भारत-ईरान वार्ता की खबरें गलत

सरकार बोली- ट्रांजिट लेवी पर कोई बातचीत नहीं, ऊर्जा आपूर्ति सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने उन खबरों का सख्ती से खंडन किया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने पर ट्रांजिट लेवी लगाने को लेकर भारत और ईरान के बीच बातचीत चल रही है। सरकार ने इन दावों को पूरी तरह निराधार बताया है। नौवहन मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने स्पष्ट किया कि इस मुद्दे पर ईरान के साथ कोई चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बावजूद समुद्री मार्गों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। फिलहाल होर्मुज के पश्चिम में मौजूद 16 भारतीय जहाजों की ट्रैकिंग की जा रही है।

बंगाल मतदाता सूची पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

चुनाव आयोग को एक दिन में निपटारा पूरा करने का निर्देश, केंद्रीय बल रहेंगे तैनात

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए न्यायाधिकरणों को एक दिन के भीतर शेष मामलों का निपटारा करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि सभी दस्तावेजों की दोबारा जांच की जाए और पक्षों को निष्पक्ष सुनवाई का अवसर दिया जाए। निर्वाचन आयोग ने अदालत को बताया कि अब तक 59 लाख से अधिक दावों और आपत्तियों का निपटारा किया जा चुका है, जबकि बाकी मामलों पर भी तेजी से काम जारी है। आयोग ने आश्वासन दिया कि पूरक मतदाता सूची रात तक प्रकाशित कर दी जाएगी। कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पत्र का हवाला देते हुए कहा कि करीब 60 लाख मामलों पर लगातार काम चल रहा है। मालदा जिले में ही लगभग आठ लाख दावों का निपटारा हो चुका है, जिस पर अदालत ने संतोष जताया। हालिया घटनाओं को देखते हुए अदालत ने साफ किया कि पश्चिम बंगाल से केंद्रीय बलों को वापस नहीं बुलाया जाएगा। साथ ही हाईकोर्ट को निर्देश दिया गया कि अपील प्रक्रिया तय करने के लिए तीन जजों की समिति बनाई जाए।

भाजपा समर्थित सरकार रही तो सार्वजनिक संपत्तियां निजी हाथों में चली जाएंगी : राहुल

पुडुचेरी, एजेंसी

पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सत्तारूढ़ गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा समर्थित सरकार दोबारा सत्ता में आती है तो राज्य की सार्वजनिक संपत्तियां निजी हाथों में चली जाएंगी। लासपेट में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार जनता के हितों की बजाय निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग और अन्य सार्वजनिक संस्थानों को भी निजी हाथों में सौंपने की कोशिश की जा रही है। राहुल गांधी ने भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के मुद्दे को उठाते हुए कहा कि प्रदेश में हर स्तर पर कमीशनखोरी फैली हुई है। उन्होंने नकली दवाओं के कथित घोटाले का जिक्र करते हुए इसे गंभीर चिंता का विषय बताया। कांग्रेस नेता ने वादा किया कि उनकी सरकार बनने पर बेरोजगार युवाओं को मासिक आर्थिक सहायता, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और हर परिवार को स्वास्थ्य बीमा जैसी योजनाएं लागू की जाएंगी।

सात साल बाद भारत ने ईरान से खरीदा कच्चा तेल, वोस्ट्रो अकाउंट से हुआ भुगतान!

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान से जंग कर अमेरिका ने वह दिन दिखा लिए जो उसने सपने में भी नहीं सोचा था, जिस देश के साथ कारोबार पर सात साल पहले अमेरिका ने प्रतिबंध लगाया था, उसके साथ खरीद-फरोख्त करने की छूट भी उसी ने दी। इस छूट का फायदा उठाते हुए भारत ने 7 साल बाद ईरान से लाखों बैरल कच?चा तेल खरीदा है। इस खबर से देश के लोगों में जितनी खुशी है, उतने ही सवाल भी मन में उठ रहे हैं। जब ईरान डॉलर से भुगतान वाले सिस्टम में है ही नहीं, तो फिर भारत ने उसे पैसों का ट्रांसफर कैसे किया होगा।

वैश्विक अस्थिरता के बीच भारत मजबूत

कर्ज प्रबंधन सबसे बेहतर, पश्चिम एशिया संकट से बढ़ी चुनौती : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी उतार-चढ़ाव और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत की आर्थिक स्थिति को मजबूत बताया है। उन्होंने कहा कि कई चुनौतियों के बावजूद भारत का कर्ज प्रबंधन दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले बेहतर स्थिति में है। राष्ट्रीय लोक वित्त व नीति संस्थान के कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारत का ऋण-से-जीडीपी अनुपात लगभग 81 प्रतिशत है, जो वैश्विक स्तर पर प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे कम है। यह भारत की आर्थिक स्थिरता और वित्तीय अनुशासन को दर्शाता है। वित्त मंत्री ने कहा कि वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्था इस समय अस्थिरता, अनिश्चितता और जटिलता के दौर से गुजर रही है। खासकर पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बड़ा खतरा बन रहा है।

विजय मत एंकर

बच्चों में सांस संबंधी बीमारी की जांच में नई तकनीक की उम्मीद

बिना बेहोशी जांच संभव, 4डी डायनामिक सीटी से स्ट्राइडर की पहचान आसान

चंडीगढ़, एजेंसी

बच्चों में सांस लेते समय सीटी जैसी आवाज आना यानी स्ट्राइडर लंबे समय से अभिभावकों और डॉक्टरों दोनों के लिए चिंता का विषय रहा है। इसकी सटीक वजह तक पहुंचना अब तक कठिन माना जाता था, क्योंकि पारंपरिक जांच पद्धति में फाइबरऑप्टिक ब्रोंकोस्कोपी जैसी जटिल प्रक्रिया अपनानी पड़ती थी, जिसमें बच्चों को बेहोश करना जरूरी होता है। अब इस दिशा में नई उम्मीद सामने आई है। पीजीआई के विशेषज्ञों द्वारा किए गए एक पायलट अध्ययन में 4डी डायनामिक एयरवे सीटी को प्रभावी और सुरक्षित तकनीक बताया गया है। इस तकनीक के जरिए बिना दर्द और बिना बेहोशी के बच्चों की सांस की नली की विस्तृत जांच संभव हो सकती है। यह शोध वर्ष 2025 में प्रकाशित हुआ, जिसमें विशेषज्ञों की टीम ने छोटे बच्चों पर अध्ययन कर इसकी उपयोगिता को परखा। विशेषज्ञों के अनुसार यह तकनीक सांस की नली की गतिविधि को वास्तविक समय में दिखाती है। इससे यह समझना आसान हो जाता है कि सांस लेते या छोड़ते समय नली कहां और कितनी सिकुड़ रही है। पारंपरिक ब्रोंकोस्कोपी में जहां कैमरा डालकर जांच करनी पड़ती है, वहीं यह तकनीक पूरी प्रक्रिया को सरल और सुरक्षित बनाती है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि जिन बच्चों में जांच के दौरान स्ट्राइडर की आवाज स्पष्ट थी, उनमें असामान्यता पहचानने की संभावना अधिक रही। लो-डोज तकनीक के कारण इसमें रेडिएशन का खतरा भी सीमित रहता है, जो छोटे बच्चों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में बड़े स्तर पर शोध होने के बाद यह तकनीक प्राथमिक जांच विकल्प बन सकती है।

4डी सीटी तकनीक की सटीकता और विशेषताएं

अध्ययन में शामिल 24 बच्चों पर किए गए परीक्षण में 4डी डायनामिक एयरवे सीटी ने 91 से 95 प्रतिशत तक सटीकता दिखाई। लैरिंगोमलेशिया, ट्रेकियोमलेशिया और ब्रोंकोमलेशिया जैसी समस्याओं की पहचान में यह तकनीक काफी प्रभावी पाई गई। ट्रेकियोमलेशिया और ब्रोंकोमलेशिया में 100 प्रतिशत विशिष्टता दर्ज की गई, जबकि लैरिंगोमलेशिया में 94 प्रतिशत से अधिक संवेदनशीलता सामने आई। लो-डोज तकनीक होने के कारण इसमें रेडिएशन का खतरा भी बेहद कम है, जिससे यह छोटे बच्चों के लिए सुरक्षित विकल्प बनती जा रही है।

पारंपरिक जांच से कैसे अलग है नई तकनीक

फाइबरऑप्टिक ब्रोंकोस्कोपी में बच्चों को सिडेशन देना पड़ता है और सांस की नली में कैमरा डालकर जांच की जाती है, जो जटिल और जोखिम भरी हो सकती है। इसके विपरीत 4डी डायनामिक सीटी पूरी तरह गैर-आक्रामक तकनीक है, जिसमें बिना किसी दर्द के जांच की जा सकती है। यह तकनीक न केवल बच्चों के लिए अधिक आरामदायक है, बल्कि जांच प्रक्रिया को भी तेज और सरल बनाती है, जिससे डॉक्टरों को बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलती है।

हत्याकांड मामले में उच्च न्यायालय का बड़ा फैसला

अमित जोगी को उम्रकैद, ट्रायल कोर्ट का फैसला बताया अवैध

विजय मत, ब्यूरो बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बहुचर्चित एनसीपी नेता रामावतार जग्गी हत्याकांड मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए आरोपी अमित जोगी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने वर्ष 2007 में ट्रायल कोर्ट द्वारा दिए गए बरी करने के फैसले को पलटते हुए इसे साक्ष्यों के विपरीत और पूरी तरह गलत करार दिया। हाईकोर्ट ने भारतीय दंड संहिता की धारा 302 और 120-बी के तहत दोषी ठहराते हुए उम्रकैद और एक हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। साथ ही आदेश दिया गया कि जमानत पर चल रहे अमित जोगी तीन सप्ताह के भीतर ट्रायल कोर्ट में आत्मसमर्पण करें, अन्यथा उन्हें हिरासत में लिया जाएगा। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि जिस साक्ष्य के आधार पर अन्य आरोपियों को दोषी माना गया, उसी साक्ष्य को अमित जोगी के मामले में बिना ठोस कारण के खारिज किया गया था। कोर्ट ने उन्हें पूरी साजिश का मुख्य सूत्रधार बताते हुए कहा कि इतना संगठित अपराध बिना प्रभावशाली नेतृत्व के संभव नहीं हो सकता।

प्रधान संपादक- विजय शुक्ला। कार्यालय: भोपाल ■ शहडोल ■ रायपुर ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ मैहर ■ खरगोन ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़

न्यूज इन शॉर्ट

एसईसीएल सोहागपुर एरिया की तीन महिला सुरक्षा कर्मियों का सहायक उप निरीक्षक के पद पर हुई पदोन्नति

शहडोल। धनपुरी एसईसीएल सोहागपुर एरिया की तीन महिला सुरक्षा कर्मियों की पदोन्नति सहायक सुरक्षा उप निरीक्षक के पद पर हुई है और पदोन्नति पाने वाली तीनों महिला सुरक्षा कर्मियों के बैच में स्टार लगाकर उन्हें बधाई दी गई।

जिन महिला सुरक्षा कर्मियों की पदोन्नति सहायक सुरक्षा उपनिरीक्षक के पद पर हुई है उनमें श्रीमती कमला सिंह जो कि बुढार ग्रुप में पदस्थ हैं और हर समय सुरक्षा व्यवस्था को लेकर इनके द्वारा जो कार्य किया जाता है उसकी अधिकारियों के द्वारा भी सराहना की जाती है इसके साथ-साथ केंद्रीय चिकित्सालय में पदस्थ समीम बी की पदोन्नति भी सहायक सुरक्षा उप निरीक्षक के पद पर हुई है समीम हमेशा अपने बेहतर कार्यों को लेकर अपने कार्य को करते हुए देखी जाती हैं और उनकी भी पदोन्नति होने पर अधिकारियों के द्वारा उन्हें बधाई दी गई है। इसी तरह एरिया महाप्रबंधक कार्यालय में पदस्थ गायत्री गौतम का भी सहायक सुरक्षा उप निरीक्षक के पद पर पदोन्नति हुई है। पदोन्नति पाने वाली तीनों महिला सुरक्षा कर्मियों को एरिया महाप्रबंधक बीके जेना महाप्रबंधक संचालन मनीष श्रीवास्तव एरिया सुरक्षा अधिकारी अमित सिंह एवं घनश्याम पांडे ने बधाई दी है।

जिला फुटबाल संघ की कार्यकारणी घोषित

ब्योहारी-जिला फुटबाल संघ शहडोल मध्य प्रदेश के जिला संरक्षक मनीषा सिंह विधायक जयसिंहनगर, जिला अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छाबड़ा जिला कार्यकारणी अध्यक्ष जकारिया फारुकी जिला सचिव रईशअहमद जिला उपाध्यक्ष सफदरहुसैन,बालकृष्ण बंगारी, ए.के.मोहंती, समीमखान,जिला कोषाध्यक्ष अनिल सिंह जिला सहकोषाध्यक्ष नरेश कुंडें मो. रहीम खान, जिला सहसचिव योगराज वर्मा,नीलेन्द्र कुंडें, यशोदा सिंह राजू बैगा, लक्ष्मी सहीस,जसराम साहू, उमेशगुप्ता,सलाहकार एम रामाराव मीडिया प्रभारी अजय पाल पदेन की नियुक्ति पर जिले भर के खेल प्रेमी सहयोगी समर्थको ने सभी को नियुक्ति पर शुभकामना के साथ बधाई दी है।

मुख्यालय ने दिया है वार्षिक कोयला उत्पादन का 32 लाख टन लक्ष्य

धनपुरी। एसईसीएल सोहागपुर एरिया ने कोयला उत्पादन 2025- 26 का लक्ष्य पूरा कर लिया था और उसमें उसने एक नई कीर्तिमान को भी स्थापित किया था और अब 2026- 27 में बिलासपुर मुख्यालय के द्वारा सोहागपुर एरिया को 77 लाख टन का वार्षिक उत्पादन लक्ष्य दिया गया है और शुरुआत से ही उस उत्पादन लक्ष्य की ओर एरिया तेजी से अग्रसर होता हुआ देखा जा रहा है इस वर्ष अगर एरिया के वार्षिक उत्पादन लक्ष्य पर नजर डाली जाए तो उसमें सबसे अधिक अगर किसी ओपन कास्ट को उत्पादन लक्ष्य दिया गया है तो वह रामपुर ओपन कास्ट है जिसे बिलासपुर मुख्यालय के द्वारा 20 लाख टन का वार्षिक उत्पादन लक्ष्य दिया गया है और अगर देखा जाए तो एरिया के वार्षिक उत्पादन लक्ष्य में इस ओपन कास्ट की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण मानी जा रही है यही कारण है कि यहां का कोयला उत्पादन बढे इसे लेकर प्रबंधन की ओर से अभी से प्रयास तेज कर दिए गए हैं। वर्तमान समय पर अगर देखा जाए तो इस ओपन कास्ट में प्रतिदिन 12000 टन के आसपास कोयला उत्पादन हो रहा है जो आने वाले दिनों में और बढ़ेगा इस बात की उम्मीद भी बताई जा रही है क्योंकि इस ओपन कास्ट को इतना बड़ा लक्ष्य जो मुख्यालय के द्वारा दिया गया है उसे देखते हुए उसे प्रतिदिन 12000 टन आसपास कोयला उत्पादन करना होगा तब वह अपने वार्षिक उत्पादन लक्ष्य को समय रहते पूरा कर पाएगी आज इस ओपन कास्ट में अगर देखा जाए तो कोयले का अपार भंडार है खदान को बेहतर रूप से संचालित करने की दिशा में भी प्रबंधन की ओर से जो प्रयास किया जा रहे हैं वह इस ओपन कास्ट में देखा भी जा रहा है मुख्यालय के द्वारा यहां पर उपक्षेत्रीय प्रबंधक के पद पर संदीप शर्मा की पदस्थापना की गई है और उन्होंने यहां का कार्यभार संभालने के बाद से ही कोयले के उत्पादन को बढ़ाने की दिशा में जिस तरह से काम किया ।

शहर का ट्रांजिट हब बना अव्यवस्था का अड्डा

बस स्टैंड में मनमानी से त्रस्त यात्री, सफर शुरू होने से पहले ही खत्म हो रही यात्रियों की सहूलियत

विजय मत, शहडोल

बस स्टैंड, जो जिले का प्रमुख परिवहन केंद्र माना जाता है, इन दिनों गंभीर अव्यवस्था और लापरवाही का शिकार बना हुआ है। जहां से रोजाना हजारों यात्रियों की आवाजाही होती है, वही बस स्टैंड अब निजी बस संचालकों की मनमानी का केंद्र बन गया है। निर्धारित नियमों को ताक पर रखकर बसों को घंटों पहले खड़ा किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

आधा घंटा नहीं, घंटों पहले लग रही बसें

परिवहन नियमों के मुताबिक किसी भी बस को प्रस्थान से अधिकतम 30 मिनट पहले ही बस स्टैंड परिसर में खड़ा किया जाना चाहिए, लेकिन यहां यह नियम केवल कागजों तक सीमित रह गया है। निजी बस संचालक अपनी सुविधानुसार बसों को कई-कई घंटों पहले से ही लाइन में लगा देते हैं, जिससे पूरा परिसर जाम और अव्यवस्थित नजर आता है।

भीड़ में गुम हो जाती है अपनी बस

बस स्टैंड पर मौजूद यात्रियों का कहना है कि अत्यधिक संख्या में खड़ी बसों के कारण उन्हें अपनी बस ढूंढने में काफी कठिनाई होती है। प्रतिक्षालय में बैठा यात्री जब अपनी बस के समय पर प्लेटफॉर्म तक पहुंचता है, तब तक बस निकल चुकी होती है। इस अव्यवस्था के चलते कई यात्रियों की बसें छूट जाती हैं और उन्हें घंटों अगली बस का इंतजार करना पड़ता है।

बस स्टैंड बना निजी गैराज

कुछ निजी बस कंपनियों ने बस स्टैंड को स्थायी पार्किंग स्थल की तरह उपयोग करना शुरू कर दिया है। ये बसें दिनभर यहीं खड़ी रहती हैं और यहीं से संचालन भी करती हैं। इससे अन्य बसों के लिए जगह नहीं बचती और यात्रियों के आवागमन में बाधा उत्पन्न होती है। यह स्थिति न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि सार्वजनिक सुविधा के साथ खुला खिलवाड़ भी है।

कार्रवाई के नाम पर केवल औपचारिकता

स्थानीय लोगों और यात्रियों का आरोप है कि इस पूरे मामले में नगर पालिका और परिवहन विभाग के अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं। समय-समय पर निरीक्षण जरूर होता है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस सुधार नहीं दिखता। पूर्व में हुई घटनाओं और शिकायतों के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है।

यात्री सुरक्षा और सुविधा दोनों खतरे में

बसों की अनियंत्रित पार्किंग और भीड़भाड़ के कारण बस स्टैंड परिसर में दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। यात्रियों को न तो स्पष्ट जानकारी मिल पाती है और न ही सुगम आवाजाही का रास्ता। ऐसे में यह सवाल लगातार उठ रहा है कि आखिर कब इस अव्यवस्था पर लगाम लगेगी और यात्रियों को राहत मिलेगी।

100 दिन से अधिक लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण के दिए निर्देश

कलेक्टर ने की सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा पत्रों की समीक्षा

विजय मत, शहडोल

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा के पत्रों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में 100 दिवस या उससे अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि विभिन्न विभागों में 100 दिन, 300 दिन और 500 दिन से ऊपर की शिकायतें लंबित हैं। संबंधित विभाग के अधिकारी इन शिकायतों की मानीटरिंग करें तथा इनका निराकरण सुनिश्चित करें।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की नियमित मॉनिटरिंग जिला स्तरीय अधिकारी स्वयं करें तथा शिकायतों के निराकरण से संबंधित जवाब एल-1 अधिकारियों के माध्यम से अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं।उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी शिकायत अनअटेंडेड न रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जो विभाग सी या डी श्रेणी में हैं वे सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में प्रगति लाएं तथा ए श्रेणी में आने के लिए कार्य करें। लगातार सी एवं डी श्रेणी में आने वाले विभागों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के भी उन्होंने निर्देश दिए। जिन विभागों में शिकायतों की संख्या कम है, वहां शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, सुश्री अर्चना मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।.

कुश्ती खिलाड़ी चाँदनी नरेती ने लगातार जीते पदक, जिले का बढ़ाया मान

विजय मत, डिंडौरी

जिले की प्रतिभाशाली कुश्ती खिलाड़ी चाँदनी नरेती ने खेल जगत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक के बाद एक उपलब्धियां हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। खेलो मध्यप्रदेश यूथ गेम्स के अंतर्गत उज्जैन में आयोजित प्रतियोगिता में चाँदनी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक प्राप्त किया। सोमवार को डिंडौरी कलेक्टर द्वारा कुश्ती खिलाड़ी चाँदनी नरेती को फूलमाला एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर खिलाड़ियों ने खेल प्रशिक्षण के लिए हॉल की मांग रखी, जिस पर कलेक्टर ने गंभीरता दिखाते हुए संबंधित अधिकारी को खाली भवन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने खिलाड़ियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे अपनी समस्याएं सीधे दूरभाष के माध्यम से साझा कर सकते हैं तथा खेल के क्षेत्र में हर संभव मदद प्रदान की जाएगी। साथ ही, खिलाड़ियों द्वारा लंबे समय से की जा रही बैडमिंटन कोर्ट की मांग को भी गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने निर्माण एजेंसी को एक माह के भीतर नया कोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।इसके बाद दिल्ली में आयोजित नेशनल ट्रायल में भी चाँदनी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल कर नेशनल के लिए क्वालीफाई किया। खेलो इंडिया नेशनल गेम्स, जो अंबिकापुर में 28 से 31 मार्च 2026 तक आयोजित हुए, में चाँदनी नरेती ने कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।चाँदनी नरेती वर्तमान में शासकीय चंद्रविजय महाविद्यालय, डिंडौरी में बी.एस.सी. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा हैं। उनके पिता शिव प्रसाद नरेती एवं माता श्रीमती सुनीता नरेती हैं। वे ग्राम घेवरी, विकासखंड अमरपुर, जिला डिंडौरी की निवासी हैं। चाँदनी की इस उपलब्धि से पूरे जिले में हर्ष का माहौल है और उन्हें लगातार बधाइयाँ दी जा रही हैं। खेल और युवा कल्याण विभाग से चेतराम अहिरवार, सुश्री आरती सोंधिया, संतोषी यादव, चन्द्रविजय महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी मो. आमिर खान, खिलाडी चांदनी नरेती के माता-पिता, भाई-बहिन एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत मेंहदवानी में जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

विजय मत, डिंडौरी

जिले के विकासखंड मेंहदवानी में जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहान की उपस्थिति में राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह शासकीय महाविद्यालय में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं के साथ जल संवाद आयोजित किया गया।

इस दौरान उपस्थित विद्यार्थियों को जल संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ दिलाई गई तथा जल के महत्व और उसके संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं द्वारा जल संरक्षण संवर्धन जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसमें जल बचाने एवं उसके समुचित उपयोग का संदेश आमजन तक पहुंचाया गया। इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक श्रीमती सुशीला ठाकुर, मेंटर्स सहित एमएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जल स्रोतों के संवर्धन को प्रोत्साहित करने का कार्य किया जा रहा है।

शहर की जनता को बेहतर सुविधाएं देना ही हमारी प्राथमिकता : रविंदर कौर

विजय मत, धनपुरी

धनपुरी शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में लगातार नगर पालिका धनपुरी के द्वारा अभियान चलाया जा रहा है वर्तमान समय में जिस तरह से साफ सफाई व्यवस्था और बेहतर से बेहतर करने की दिशा में अभियान चला कर किया जा रहा है कहीं ना कहीं अगर देखा जाए तो शहर की नागरिकों के द्वारा स्वच्छता को लेकर नगर पालिका धनपुरी की मुक्त कंठ से सराहना की जा रही है नगर पालिका धनपुरी के अंतर्गत 28 वार्ड आते हैं और समस्त वार्ड में विशेष अभियान के तहत जो स्वच्छता को लेकर अभियान चलाया जा रहा है उसी का नतीजा है कि आज पूरे शहर में साफ सफाई व्यवस्था बेहतर देखने को मिल रही है इसके साथ-साथ अगर देखा जाए तो आने वाले बरसात के मौसम को देखते हुए भी इस व्यवस्था को और बेहतर करने की दिशा में अभी से प्रयास शुरू कर दिए गए हैं और शहर के जो प्रमुख नाले हैं उनकी भी सफाई कराई जा रही है इतना ही नहीं इस मौके पर नगर पालिका धनपुरी की अध्यक्ष श्रीमती रविंदर कौर छाबड़ा मुख्य नगर पालिका अधिकारी पूजा बुनकर भी मौजूद रहती है।

रीजनल कॉलोनी से लेकर कॉलेज तिराहे तक आज स्वच्छता को लेकर रविवार का दिन होने के बाद भी विशेष अभियान चलाया गया यहां पर जो नाले का निर्माण नगर पालिका के द्वारा किया गया है काफी समय से इसकी सफाई नहीं किए जाने से इसमें कचरा भरा हुआ था और इस कारण से जो पानी का बहाव था वह ठीक तरह से न होने के कारण परेशानी का भी कारण बन रहा था और यही कारण था कि इसके साफ-सफाई को लेकर आज अभियान की शुरुआत की गई जहां मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी भी मौजूद थी यहां पर देखा जा रहा था की नाले में बड़ी मात्रा में कचरा भरा हुआ था और इसकी सफाई को लेकर कई घंटे तक अभियान चलाया गया इस मौके पर देखा जा रहा था कि नगर पालिका अध्यक्ष एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी के द्वारा भी लगातार स्वच्छता विभाग को दिशा निर्देश दिए जा रहे थे वहीं दूसरी तरफ आसपास के स्थानीय लोगों का कहना था कि कई वर्षों से इस नाले की सफाई नहीं कराई गई थी ऐसे में अभियान चलाकर जो आज यह सफाई व्यवस्था कराई जा रही है वह सराहनीय है।

कार्यक्रम — नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारीयों व मनोनीत पार्षदों का विधायक व भाजपा जिलाअध्यक्ष ने शाल श्रीफल भेंट कर किया सम्मान

जिला मुख्यालय सहित सभी मंडलों एवं बूथ स्तर पर मनाया गया भाजपा का स्थापना

विजय मत, शहडोल

अप्रैल सोमवार को भारतीय जनता पार्टी का 47वाँ स्थापना दिवस राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के साथ ही मध्य प्रदेश के जिला, मंडलों व बूथों पर वरिष्ठ नेताओं,जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में भारी उत्साह पूर्वक मनाया गया।

भाजपा जिला मीडिया ने जानकारी देते हुए बताया कि भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा के मार्गदर्शन में जिले भर में जिला कार्यालय से लेकर बूथ स्तर तक पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा झंडा वंदन किया गया। 'अटल निलय' जिला कार्यालय में,भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष विधायक श्रीमती मनीषा सिंह जी विधायक शरद कोल जी व सैकड़ो कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा जी ने किया ध्वजारोहण। झंडा वंदन की पश्चात आतिशबाजी एवं एक दूसरे को मिठाई खिलाकर भाजपा जिला अध्यक्ष व विधायकों ने कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की दी बधाई

कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी संस्थापक महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलित कर उनको नमन करते हुए उनके योगदान को याद किया गया। तत्पश्चात प्रदेश भाजपा कार्यालय से पार्टी स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के संबोधन को एलईडी स्क्रीन के माध्यम से शहडोल पार्टी कार्यालय में सुना गया।

इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा जी ने स्थापना दिवस के अवसर पर सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि 7 अप्रैल से 12 अप्रैल तक स्वच्छता पखवाड़ा चलाया जाएगा साथ ही 13 अप्रैल को विशेष स्वच्छता अभियान एवं गांव चलो बस्ती चलो अभियान के तहत चौपाल कार्यक्रम किए जाएंगे साथी 9 अप्रैल को जिले भर के सक्रिय सदस्यों बैठक भी आहूत की गई है एवं 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती के अवसर पर जिले के प्रत्येक बूथ पर अंबेडकर जी की छायाचित्र पर माल्यार्पण कर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा

स्थापना दिवस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष विधायक श्रीमती मनीषा सिंह जी विधायक श्री शरद कोल जी प्रदेश पदाधिकारी शालिनी शरावगी रवि शंकर त्रिपाठी, पूर्व विधायक प्रमिला सिंह जिला अध्यक्ष कमल प्रताप सिंह जी वरिष्ठ भाजपा नेता प्रकाश जगवानी, जिला उपाध्यक्ष भूपेंद्र मिश्रा, राकेश पांडे, मनोज गुप्ता, संतोष लोहानी, जिला महामंत्री अमित मिश्रा, सुनैना सिंह, गीता सिंह, कविता सिंह, सौरभ गोले, रवींद्र वर्मा,श्रीकृष्ण गुप्ता, विनय केवट, अमित गुप्ता बंटी, अंकुश शर्मा, अमित बजाज, सुधीर दुबे, सुशील शर्मा धर्मेंद्र सिंह मीनू, आदित्य चपरा, सूर्यकांत निराला, जानू छाबड़ा, गौरव तिवारी, शीला तिवारी, मंडल अध्यक्ष प्रियम त्रिपाठी ,मृदुल मिश्रा ,सचिन सेठिया, पिंकू शुक्ला, सत्यभामा गुप्ता, निभा गुप्ता, नीलम चतुर्वेदी,रचना श्रीवास्तव,राखी शर्मा,अंजुला नामदेव, संचिता सरवटे, सहित भारतीय जनता पार्टी के ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता गण कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

उपरोक्त जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी विनय केवट ने बताया कि पार्टी स्थापना दिवस का कार्यक्रम संपूर्ण जिले में जिला मुख्यालय समेत मंडलों एवं बूथ स्तर पर भारी उत्साह पूर्वक मनाया गया। इस कार्यक्रम के तहत सभी के द्वारा अपने घरों पर पार्टी का झंडा लगाया गया और पार्टी के संस्थापक सदस्यों महापुरुषों को याद करते हुए उनके योगदान के लिए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें याद किया गया।

स्थापना दिवस कार्यक्रम में नवनियुक्त भाजपा प्रदेश पदाधिकारी श्रीमती शालिनी सरावगी एवं रवि शंकर त्रिपाठी जी का शाल श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया साथ ही शहडोल जिले के नगर पालिका एवं नगर परिषदों में नगरीय निकाय एवं आवास विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा मनोनीत पार्षदों नियुक्त होने पर भाजपा जिला अध्यक्ष एवं विधायकों ने शाल श्रीफल भेंट कर मनोनीत पार्षदों का सम्मान किया। स्थापना दिवस कार्यक्रम का सफल मंच संचालन भाजपा जिला महामंत्री श्री अमित मिश्रा द्वारा किया गया एवं आभार भाजपा जिला मंत्री श्री कृष्ण गुप्ता द्वारा किया गया।

जिला चिकित्सालय में आयोजित हुआ बाल हृदय कैंप, 56 बच्चों की जांच

विजय मत, डिंडौरी

जिला चिकित्सालय में आज राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत ''बाल हृदय कैंप'' का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पांडे एवं सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. रमेश मरावी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक श्री ओम प्रकाश उरैती के नेतृत्व में किया गया। कैंप में जिले के समस्त विकासखंडों से मोबाइल हेल्थ टीम द्वारा चिन्हांकित ''जन्मजात हृदय रोग (छ्रा्छ) से संबंधित 56 बच्चों का पंजीयन कर उनका ईको परीक्षण किया गया। यह जांच गैलेक्सी हॉस्पिटल के विशेषज्ञ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अखिलेश दुबे (कार्डियोलॉजिस्ट एवं गोल्ड मेडलिस्ट) द्वारा की गई। ईको जांच के उपरांत 5 बच्चों को आगे के उपचार हेतु जबलपुर स्थित गैलेक्सी हॉस्पिटल में रेफर करने के लिए चिन्हांकित किया गया। कार्यक्रम में हॉस्पिटल मैनेजर योगेंद्र सिंह उईके, मूल्यांकन एवं अनुश्रवण अधिकारी कमल सिंह भदौरिया, आयुष चिकित्सक डॉ. ऋषिकेश सिंह, डॉ. हर्षवर्धन सिंह धुर्वे, डॉ. त्रिवेणी धुर्वे, डॉ. नागेश मानिकपुरी, डॉ. प्रभात अवधिया, डॉ. बलराम सिंह उईके, डॉ. आकाश सिंद्रम, डॉ. मुकेश परते, एएनएम करण सोनी एवं छ्श्वढ्ढष्ट स्टाफ पूजा बर्मन सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

न्यूज इन शॉर्ट

देर रात आधा दर्जन दुकानों में आग लगने से मचा हड़कंप

विजय मत, भोपाल। चूनाभट्टी थाना इलाके में स्थित मनीषा मार्केट की आधा दर्जन दुकानों में बीती देर रात अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की चपेट में आने से चाय-नाश्ते की दुकानों में रखे तीन गैस सिलेंडरों में ब्लॉस्ट हो गया। गनीमत रही की रात होने की वजह से दुकानें बंद थी, जिससे सिलेंडर फटने से किसी तरह की कोई जनहानि हुई। सूचना मिलने पर पहुचीं दमकलो ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। पुलिस ने इस मामले में आगजनी का प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक रात करीब दो बजे मनीषा मार्केट स्थित चाय नाश्ते की आधा दर्जन दुकानों में अचानक आग लग गई। तेजी से फैलती आग ने देखते ही देखते आग विकराल रुप धारण कर लिया। आग लगने से दुकानों में रखे गैस के तीन सिलेंडर ब्लॉस्ट के साथ फट गए, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई जिससे आग और भड़क गई। आग लगने की सूचना मिलते ही माता मंदिर, कोलार और आईएसबीटी से फायर बिग्रेड की दमकले मौके पर पहुंची और दो घंटे की मश**राजस्थान पत्रिका** त के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने से दुकानों में रखा लाखों रुपए का माल जल गया। आग का कारण शार्ट सर्किट होना बताया जा रहा है।

बीटेक छात्रो को गोली मारने वाले आरोपियों की तलाश जारी

विजय मत, भोपाल। कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित सेज यूनिवर्सिटी के पीछे सनसिटी फेस-वन कॉलोनी में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात चार-पांच युवकों ने बीटेक के दो छात्रों को गोली मार दी। कंधे के पास और पेट में गोली लगने से दोनों छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को एम्स में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घायल छात्रो के बयान दर्ज करने के बाद तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मामला कायम किया है। पुलिस का कहना है कि तीन राउंड फायरिंग की गई थी। एक हवाई फायर हुआ है। गोली चलाने वाला आरोपी व पार्टी में शामिल युवतियां एक अन्य निजी इंजीनियरिंग कॉलेज के बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक सेज सन सिटी फेस की मल्टी, कटारा हिल्स निवासी हेमंत शर्मा (23) मूलरूप से कृष्णा कॉलोनी थाना कृष्णा नगर जिला मथुरा यूपी का रहने वाला है। वह सेज कॉलेज में प्रथम वर्ष का छात्र है।

युवती के एआई से आपत्तिजनक फोटो बनाकर कर किए वायरल

विजय मत, भोपाल। ऐशबाग इलाके में किराए से रह रही एक युवती को पड़ोस में रहने वाला युवक कई दिनों से परेशान कर रहा है। इतना ही नही आरोपी ने उसे बदनाम करने के लिये एआई से उसके आपत्तिजनक फोटो तैयार कर कमीलियन नाम से फर्जी इंस्टाग्राम आईडी पर वायरल कर दिए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर साइबर टीम की मदद से आरोपी की पहचान जुटाते हुए उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 24 वर्षीय युवती ने अपनी शिकायत में बताया की वह मूलरूप से बैतूल की रहने वाली है, और ऐशबाग इलाके में किराए के मकान में रहकर एक निजी कंपनी में नौकरी करती है। बीते कुछ दिनों से उसे कमीलियन नाम की फर्जी इंस्टाग्राम आईडी से लगातार मैसेज कर परेशान किया जा रहा था। आरोपी पीड़िता के पड़ोस में रहने वाला राहुल श्रीवास है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

निजी कंपनी के रिटायर्ड जीएम से ठगे साढ़े आठ लाख

विजय मत, भोपाल। शातिर सायबर ठगोरो ने निजी कंपनी के रिटायर्ड जनरल मैनेजर (जीएम) को एमपीईबी का असिस्टेंट इंजीनियर बताकर बिजली बिल नहीं भरने की बात कहते हुए उनका कनेक्शन काटने की धमकी दी। इसके बाद उनके साथ 8 लाख 66 हजार की ठगी कर ली गई। मामला शाहपुरा थाना इलाके का है, जॉच के बाद पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जॉच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक रोहित नगर शाहपुरा निवासी नंदकिशोर दुबे (78) ने अपनी शिकायत में बताया की वह निजी कंपनी से जीएम के पद से रिटायर्ड हुए हैं। बीती 31 मार्च को उनके पास अज्ञात नंबर से फोन आया। कॉल रिसीव करने पर दूसरी और से बात करने वाले ने खुद को एमपीईबी का असिस्टेंट इंजीनियर बताते हुए कहा कि आपका बिजली का बिल काफी समय से जमा नहीं हुआ है। बिजली बिल जमा नहीं होने की स्थिति में कनेक्शन काट दिया जाएगा। इस पर नंदकिशोर ने कहा कि उनका बिजली का बिल ऑटो-पे से जमा होता है। सायबर जालसाज ने उन्हें झांसा दिया कि इसका मतलब है, कि आपका बिल पुराने ऑटो-पे नंबर पर जमा हो रहा है।

मध्यप्रदेश में सशक्त बन रही पंचायती राज संस्थाएं

16,773 परियोजना कार्य पूरे, पंचायत प्रोत्साहन योजना में 14 जिलों ने किया बेहतर प्रदर्शन

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश में पंचायती राज संस्थाएं सशक्त बन रही है। पंचायत प्रोत्साहन योजना में 14 जिलों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। 9 लाख से ज्यादा पदाधिकारियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया गया है। 16,773 परियोजना कार्य पूरे किए गए हैं। सरकार ने इसे लेकर आंकड़े जारी किए हैं। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, नरसिंहपुर, सागर, छतरपुर, सीधी, पूर्वी निमाड़, हरदा, नीमच, गुना, और झाबुआ पंयायतों ने प्रोत्साहन योजना में अच्छा प्रदर्शन किया है। ग्राम पंचायत विकास योजना और परियोजना क्रियान्वयन एक सतत प्रक्रिया है। प्रदेश की ग्राम पंचायतों में केंद्रीय वित्त आयोग के अनुदानों का उपयोग करते हुए कुल 16,773 परियोजना कार्य पूरे किए गए हैं। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान का प्राथमिक उद्देश्य निर्वाचित प्रतिनिधियों और उनके पदाधिकारियों की क्षमता निर्माण कर पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत बनाना, ग्राम पंचायत भवन और कम्प्यूटरीकरण जैसी अधोसंरचनात्मक सहायता प्रदान करना है।

उच्च स्तरीय प्रशिक्षण

प्रदेश में पीआरआई के निर्वाचित प्रतिनिधियों और उनके पदाधिकारियों को मिलाकर 9 लाख पदाधारियों को भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), ग्रामीण प्रबंधन संस्थान आनंद जैसे उत्कृष्टता संस्थानों के सहयोग से नेतृत्व/प्रबंधन विकास कार्यक्रम में प्रशिक्षण दिया गया है। मुख्य उद्देश्य संचार, निर्णय लेने, वित्तीय प्रबंधन और टकराव समाधान समेत आवश्यक नेतृत्व कौशल को निखारना है। वर्तमान में पंचायती राज संस्थाओं की क्षमता निर्माण पर विशेष जोर दिया जा रहा है ताकि वे स्वयं के राजस्व स्रोतों को जुटा सकें। अब तक प्रदेश के 3,275 प्रतिभागियों को ओएसआर मॉड्यूल का प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

ई-गवर्नेंस

पंचायतों में ई-गवर्नेंस को मजबूत बनाने और बढ़ावा देने के लिए, डिजिटल इंडिया पहल के तहत, स्थानीय ग्रामीण शासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यदक्षता लाने के लिए विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म और ऐप विकसित किए हैं। सिंगल साइन ऑन डिजिटल प्लेटफॉर्म, ईग्रामस्वराज ऐप पंचायत स्तर पर योजना, लेखांकन, निगरानी और ऑनलाइन भुगतान की सुविधा प्रदान करने के लिए बनाया गया है। इस ऐप को सार्वजनिक निधि प्रबंधन प्रणाली, सरकारी ई-मार्केटप्लेस और ऑडिट ऑनलाइन ऐप के साथ एकीकृत किया गया है ताकि भुगतान में कोई परेशानी न हो, खरीद प्रि या पारदर्शी हो और पंचायतों के खातों की लेखापरीक्षा की जा सके। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान मध्यप्रदेश में 23,011 ग्राम पंचायतों में से 22,978 ग्राम पंचायतों (99.85 प्रतिशत) ने अपने ग्राम पंचायत विकास योजनाओं (जीपीडीपी) को ईग्रामस्वराज पर अपलोड किया है और 21,950 ग्राम पंचायतों (95.5 प्रतिशत) ने ईग्रामस्वराज-पीएफएमएस इंटरफेस के माध्यम से विक्रेताओं को 2156.10 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए हैं।

अनुदान के दो घटक-टाइड और अनटाइड

ई-पंचायतों पर मिशन मोड परियोजना (एमएमपी-ईपंचायत) में पंचायतों के डिजिटलीकरण की दिशा में ई-गवर्नेंस परियोजनाओं को वित्तपोषित किया जाता है। इससे पीआरआई के कामकाज में कार्यदक्षता, जवाबदेही और पारदर्शिता आई है। वर्तमान में पंद्रहवें वित्त आयोग (एफएफसी) के तहत, राज्यों के माध्यम से पंचायती राज संस्थाओं को केंद्रीय वित्त आयोग की हस्तांतरित निधि आवंटित की जाती है। आयोग के अनुदान के दो घटक हैं-टाइड और अनटाइड। अनटाईड अनुदान कुल अनुदान का 40 प्रतिशत है। इसका उपयोग वेतन या अन्य स्थापना व्यय को छोड़कर संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में निहित 29 विषयों में स्थान-विशिष्ट की जरूरतों के लिए किया जा सकता है। टाइड अनुदान कुल अनुदान का 60 प्रतिशत है। इसका उपयोग बुनियादी सेवाएं प्रदान करने के लिए किया जा सकता है जैसे स्वच्छता और खुले में शौच से मुक्ति, घरेलू कचरे का प्रबंधन और उपचार, मल और गाद प्रबंधन, पेयजल की आपूर्ति, वर्षा जल संचयन जैसे कार्य शामिल है। यदि किसी स्थानीय निकाय ने एक श्रेणी की जरूरतों को पूरी तरह से पूरा कर दिया है, तो वह अन्य श्रेणी की धनराशि का उपयोग कर सकता है।

मप्र में तीन साल में कारखानों में 104 मजदूरों की मौत

औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों की सुरक्षा को लेकर उठ रहे सवाल

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के सांसद डॉ. संदीप कुमार पाठक के सवाल के जवाब में श्रम और रोजगार मंत्रालय ने चौंकाने वाली जानकारी दी है। राज्यसभा में पेश किए गए आंकड़ों के मुताबिक एमपी में बीते तीन सालों (2022-2024) में प्रदेश के कारखानों में कुल 104 मजदूरों की जान गई है।

चौंकाने वाली बात यह है कि जहां 2023 में मौतों का आंकड़ा 33 था, वहीं 2024 में यह बढ़कर 35 हो गया। सरकार ने इन हादसों के पीछे आग, विस्फोट और ऊंचाई से गिरने जैसे कारणों को मुख्य माना है। नियमों की अनदेखी करने वाली इकाइयों पर सरकार ने सख्ती दिखाते हुए अकेले वर्ष 2023 में ही 60.45 लाख रुपये का जुर्माना ठोका है। प्रशासन ने सुरक्षा में चूक के लिए तीन सालों में कुल 1 करोड़ 28 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला है। मध्य प्रदेश में केवल मौतें ही नहीं, बल्कि घायल होने वाले श्रमिकों की संख्या भी डराने वाली है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में कुल 698 श्रमिक गैर-घातक चोटों (नॉन फैटल इंज्युरीस) का शिकार हुए। साल 2022 में 269 श्रमिक घायल हुए, जबकि 2023 में 205 और 2024 में 224 श्रमिक हादसों की चपेट में आए। अन्य राज्यों से तुलना करें तो गुजरात (1,724 घायल) और महाराष्ट्र (2,518 घायल) के मुकाबले एमपी की स्थिति बेहतर दिखती है। प्रदेश में सुरक्षा मानकों को जांचने के लिए निरीक्षणों का सिलसिला तो चला, लेकिन हादसों पर लगाम नहीं लग सकी।

आरएसएस और भाजपा की दो दिनी समन्वय बैठक में हुआ मंथन

संघ के एजेंडे को जमीन पर साकार करेगी भाजपा

विजय मत, भोपाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वैचारिक और सांगठनिक विषयों को भाजपा राज्यों में धरातल पर उतारने और संगठन को मजबूत करने के लिए व्यापक योजना पर काम कर रही है। आगामी चुनावों को देखते हुए, संघ और भाजपा के बीच समन्वय को और गहरा किया जा रहा है। इसी के मद्देनजर गतदिनों भोपाल में संघ और संगठन की समन्वय बैठक में मंथन किया गया और निर्णय लिया गया कि मप्र में भाजपा संघ के एजेंडे का का जमीन पर क्रियान्वयन करेगा। संघ के वैचारिक मुद्दों, जैसे-सामाजिक समरसता, हिंदुत्व, राष्ट्रीय सुरक्षा, और एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे जैसे संदेशों को आम जनता तक पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है। बैठक में निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के निर्णयों को प्रदेश भाजपा मप्र में आगे बढ़ाएगी। संघ

ने पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व से अपनी मंशा जता दी। सूत्रों की मानें बैठक में सत्ता और संगठन के समन्वय को लेकर भी चर्चा की गई है। बैठक में संघ के शताब्दी वर्ष के दौरान लिए गए संकल्पों को कैसे पूरा किया जाएगा और इसमें भाजपा की क्या भूमिका रहेगी इस पर मंथन किया गया। बैठक में भाजपा संगठन से अपेक्षा की गई है कि संघ के अनुषांगिक संगठनों सेवा भारती सहित दूसरे संगठनों की गतिविधियों से सहयोग दिया जाए। इससे मध्यप्रदेश में संघ के कार्यों और संगठन को और मजबूत बनाया जा सके।

संगठन में कसावट और बदलाव

मप्र में 2028 के विधानसभा चुनाव और 2027 के नगरीय निकाय चुनावों को लेकर संगठन में बदलाव की प्रि या जारी है। इसका उद्देश्य बूथ स्तर तक संगठन को सि य करना है। भाजपा गांव-बस्ती चलो जैसे अभियानों के जरिए मंत्री, सांसद और विधायक को सीधे ग्रामीण स्तर पर सि य कर रही है, ताकि जनता से सीधा संवाद हो सके। संघ अपने सांगठनिक ढांचे में बदलाव (प्रांत प्रणाली की जगह संभाग व्यवस्था) कर रहा है ताकि गांवों और मोहल्लों तक बेहतर पहुंच बन सके। संघ और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के बीच लगातार समन्वय बैठकें हो रही हैं। गौरतलब है कि संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में भौगोलिक स्वरुप में परिवर्तन करने का निर्णय लिया गया है, जिसमें अब प्रांतीय कार्यकारणी के स्थान पर संभागीय कार्यकारणी गठित की जाएगी। यह प्रि या मार्च 2027 से प्रारम्भ होगी। बताया गया है कि दो दिन हुई बैठक में भाजपा ने भी अपने संगठनात्मक ढांचे को संघ की तरह संभाग स्तर पर मजबूत करने की बात कही है। यानि कि एक बार फिर भाजपा संभागीय मुख्यालयों में अपने संगठन मंत्री बैठाकर पार्टी को गतिविधियों को निचले स्तर तक मजबूती से उतारने का प्रयास करेगी। सूत्रों की मानें तो बैठक में संघ विरोधी विचारधारा वाले दलों द्वारा देश में जो वातावरण निर्मित किया जा रहा है, उससे कैसे निपटा जाए। इसे लेकर भी बैठक में चर्चा की गई है।

सत्र 2026-27 के लिए कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया को लेकर तैयारी तेज

प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों से उच्च शिक्षा विभाग ने मांगी संबद्ध कॉलेजों की जानकारी

विजय मत, भोपाल

सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया को लेकर तैयारी तेज हो गई हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अधीन आने वाले संबद्ध कॉलेजों की विस्तृत जानकारी बनाकर भेजें। यह डाटा 25 अप्रैल तक विश्वविद्यालय को जमा करना है। इसके आधार पर ही प्रवेश देने वाले संस्थानों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। इस सत्र से विभाग को पारंपरिक और व्यावसायिक के अलावा नर्सिंग पाठ्यक्रम के लिए भी प्रवेश प्रक्रिया करवानी होगी। विभाग ने विश्वविद्यालयों से 10 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर कॉलेज की जानकारी देने पर जोर दिया है। प्रमुख रूप से पाठ्यक्रम का नाम, उपलब्ध सीटों की संख्या, फैकल्टी की स्थिति, कॉलेज की संबद्धता, वर्तमान में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संख्या, परीक्षा परिणाम, कॉलेज संचालित करने वाली सोसायटी का पंजीयन और प्राचार्य का विवरण शामिल है, ताकि विद्यार्थियों को पारदर्शी और बेहतर विकल्प मिल सकें। अधिकारियों के मुताबिक, इस साल नए कॉलेज और नए पाठ्यक्रम के बारे में भी डाटा दिया जाएगा।

नर्सिंग कॉलेजों के लिए अलग व्यवस्था

पिछले साल आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर से प्रदेशभर के नर्सिंग कॉलेज अलग हो चुके हैं। अब इन्हें राज्य स्तरीय विश्वविद्यालय के दायरे में शामिल कर लिया गया है। अकेले डीएवीवी में 30 नर्सिंग कॉलेज जुड़ गए हैं। इनकी संबद्धता जारी करने की प्रक्रिया जारी है। अप्रैल में विश्वविद्यालय इन संस्थानों का निरीक्षण करेगा और उसके आधार पर संबद्धता जारी होगी। प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन कॉलेज में भी उच्च शिक्षा विभाग के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा, जिसके लिए अलग से काउंसिलिंग रखी जाएगी। डीसीडीसी डॉ. सचिन शर्मा का कहना है कि प्रवेश के लिए कॉलेजों की सूची जल्द देंगे।

1360 कॉलेजों के लिए जारी होगी गाइडलाइन

प्रदेश में कुल 1360 कॉलेज संचालित हो रहे हैं, जिनमें 569 सरकारी और 791 निजी कॉलेज हैं। इन संस्थानों में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के कुल 299 प्रकार के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। बीए, बीकॉम, बीएससी, बीएचएमसी सहित अन्य स्नातक पाठ्यक्रम की आठ लाख से अधिक सीटें हैं। वहीं एमए, एमकॉम, एमएससी और एमएसडब्ल्यू जैसे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में लगभग साढ़े तीन लाख सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। अकेले देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) के अंतर्गत आने वाले कॉलेजों की संख्या लगभग 180 से 200 के बीच है। विभाग ने मई के पहले सप्ताह से प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने की योजना बनाई है, ताकि छात्रों को समय पर दाखिला मिल सके।

2 से अधिक संतान होने पर बर्खास्तगी केस में हाईकोर्ट का हस्तक्षेप से इंकार

उच्च न्यायालय ने 10 साल देर से दाखिल याचिका खारिज

विजय मत, ब्यूरो जबलपुर

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश विवेक रूसिया और न्यायाधीश प्रदीप मित्तल की संयुक्तपीठ ने दो से अधिक संतान होने के आधार पर की गई एक कर्मचारी की बर्खास्तगी को सही ठहराते हुए मामले में हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया। लगभग 10 साल के बिलंब से दायर उक्त याचिका को निरस्त करते हुए पने आदेश में संयुक्तपीठ ने कहा कि सेवा शर्तो का उल्लंघन होने पर राहत नहीं दी जा सकती।

रीवा जिले के ग्राम पड़रिया निवासी बृजलाल साकेत की ओर से दायर याचिका में आवेदक ने अपनी बर्खास्तगी को चुनौती दी थी। प्रकरण के मुताबिक याचिकाकता को 20 जनवरी 2015 को रीवा जिला न्यायालय में ड्राइवर पद पर अस्थायी नियुक्ति मिली थी। उक्त नियुक्ति आदेश में स्पष्ट शर्तइ थी कि दो से अधिक संतान नहीं होनी चाहिए। नौकरी के महज 89 दिनों के भीतर ही तीसरी संतान होने के आधार पर 3 दिसंबर 2015 को याचिकाकता की सेवा समाप्त कर दी गई। इसके बाद याचिकाकर्ता रोज़गार की तलाश में सूरत चला गया और मजदूरी करने लगा। बाद में याचिकाकर्ता को वर्ष 2018 में उच्च न्यायालय के एक फैसले की जानकारी मिली, जिसमें तीसरी संतान के बावजूद पुनर्बहाली का आदेश दिया गया था। इसी आधार पर उसने वर्ष 2025 में उक्त याचिका दायर की। याचिका पर सुनवाई के दौरान अनावेदकों की ओर से अधिवक्ता संदीप शुक्ला ने पक्ष रखा। न्यायालय ने मामले में दोनां पक्षें की दलीलें सुनने और सभी तथ्यों पर विचार करने के बाद अपने आदेश में कहा कि नियुक्ति आदेश में दो से अधिक संतान पर स्पष्ट प्रतिबंध था। याचिकाकर्ता इस शर्त का उल्लंघन कर रहा था।

4 संभागों में 9 अप्रैल से गेहूं खरीदी, अन्य में 15 से शुरू

19 लाख किसानों ने कराया पंजीयन

विजय मत, भोपाल

प्रदेश में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से शुरू की जा रही है। इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभागों में 9 अप्रैल से खरीदी आरंभ होगी, जबकि शेष संभागों में 15 अप्रैल से समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया जाएगा। सरकार ने छोटे किसानों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं, ताकि उन्हें पहले लाभ मिल सके।

इस वर्ष 19 लाख से अधिक किसानों ने गेहूं बेचने के लिए पंजीयन कराया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 4 लाख अधिक है। इससे स्पष्ट है कि इस बार उपार्जन का दायरा बढ़ा है। सरकार ने खरीदी की सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। खरीदी केंद्रों पर सुव्यवस्थित व्यवस्था और समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। भुगतान सीधे किसानों के बैंक खातों में किया जाएगा।

विजय मत एंकर जल शक्ति मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट में प्रदेश के लिए आई सुखद खबर

मध्यप्रदेश में गर्मी के दस्तक के बाद भी ग्राउंड वॉटर लेवल में हुआ सुधार

विजय मत, भोपाल

गर्मी की दस्तक के साथ ही प्रदेश में लोगों को जल संकट की आहट सुनाई देने लगी है। इस बीच केंद्र सरकार की ताजा रिपोर्ट में मप्र के लिए एक सुखद खबर आई है कि राज्य में जमीन के नीचे के पानी (ग्राउंड वाटर) की स्थिति में पिछले दस सालों के मुकाबले बड़ा सुधार हुआ है। लोकसभा में जल शक्ति मंत्रालय द्वारा पेश किए गए आंकड़ों के मुताबिक, मध्य प्रदेश के 82.82 प्रतिशत निगरानी कुओं में पानी का स्तर बढ़ा है। यह आंकड़ा राष्ट्रीय औसत (73.25 प्रतिशत) से भी काफी ज्यादा है। लोकसभा में पेश की गई डायनामिक ग्राउंड वॉटर असेसमेंट रिपोर्ट 2025 के अनुसार, मध्य प्रदेश उन राज्यों की सूची में ऊपर है, जहां पानी बचाने के प्रयास सफल हो रहे हैं। अगर तुलना की जाए, तो मध्य प्रदेश की स्थिति राजस्थान, हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों से काफी अच्छी है। जहां देश के कई हिस्सों में पानी का बहुत ज्यादा दोहन (जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल) चिंता का विषय है, वहीं मध्य प्रदेश के 317 सरकारी ब्लॉकों में से 221 ब्लॉक (लगभग 70 प्रतिशत) पूरी तरह सुरक्षित श्रेणी में हैं। इसका मतलब है कि इन इलाकों में उतना पानी जमीन के अंदर वापस जा रहा है जितना बाहर निकाला जा रहा है।

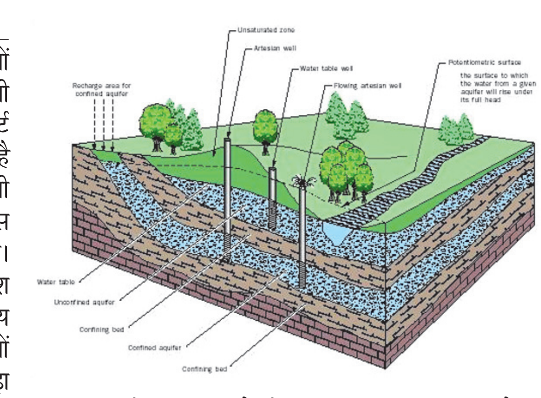

39 जिलों में नाइट्रेट की मात्रा ज्यादा

भले ही पानी की मात्रा बढ़ रही है, लेकिन पानी की गुणवत्ता को लेकर एक नई चिंता सामने आई है। हालिया रिपोर्ट के अनुसार, मध्य प्रदेश के 55 में से 39 जिलों में भूजल में नाइट्रेट की मात्रा अधिक पाई गई है। मामले में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश के बाद देश में दूसरे नंबर पर है। इसका मुख्य कारण खेती में यूरिया जैसे खादों का बहुत ज्यादा इस्तेमाल और शहरों में सीवेज (गंदे पानी) के सही निपटान की कमी है।

प्रदेश के मालवा में बड़ी चुनौती

मध्य प्रदेश के कुल 317 सरकारी ब्लॉकों में से 221 ब्लॉक पूरी तरह सुरक्षित हैं। इसका मतलब यह है कि इन इलाकों में हम उतना ही पानी निकाल रहे हैं, जितना बारिश या अन्य तरीकों से जमीन के अंदर वापस जा रहा है। हालांकि, मालवा अंचल के इंदौर, उज्जैन, शाजापुर में अब भी चुनौती बनी हुई है। इंदौर जैसे औद्योगिक और घनी आबादी वाले क्षेत्रों को ि टिकल या गंभीर श्रेणी में रखा है, जहां पानी का दोहन 80 प्रतिशत से ज्यादा है।

मप्र के ब्लॉकों में ग्राउंड वाटर की स्थिति

रिपोर्ट के अनुसार, 221 ब्लॉक सुरक्षित श्रेणी में हैं, यहां पानी की स्थिति अच्छी है। 64 ब्लॉक अर्ध गंभीर श्रेणी में हैं, यहां थोड़ी सावधानी की जरूरत है। वहीं 6 ब्लॉक गंभीर श्रेणी हैं, यहां जलस्तर गिर रहा है। जबकि 26 ब्लॉक अति-दोहित श्रेणी में हैं, यहां पानी का संकट है और सुधार की तुरंत जरूरत है। मप्र में भू जल स्तर में बढ़ोत्तर की मुख्य वजह सरकार की स्कीम और पब्लिक के प्रयास हैं। अटल भूजल योजना ने प्रदेश के पानी की कमी वाले इलाकों में कमाल किया है। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में इस योजना की वजह से भूजल गिरावट की रफ्तार में 5 मीटर प्रति वर्ष तक की कमी आई है। लगभग 13,493 हेक्टेयर खेती की जमीन को नई सिंचाई पद्धतियों (जैसे ड्रिप सिंचाई) से जोड़ा गया है ताकि कम पानी में ज्यादा पैदावार हो सके। वहीं अमृत सरोवर और तालाब के तहत राज्य में 2,901 अमृत सरोवर (नए या सुधारे गए तालाब) बनाए गए हैं। ये तालाब बारिश के पानी को रोककर जमीन के अंदर भेजने का काम कर रहे हैं। जल शक्ति अभियान से राज्य में करीब 5 लाख से ज्यादा जल संरक्षण के काम (जैसे चेक डैम, मेढ़ बंधान और सोखता गड्ढे) किए गए हैं, जिनका सीधा फायदा जमीन के जलस्तर को मिला है।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

ऊर्जा संकटः आत्मनिर्भरता ही असली सुरक्षा

दुनिया के बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब संघर्ष केवल सीमाओं या भूभाग के लिए नहीं, बल्कि संसाधनों–विशेषकर ऊर्जा–पर नियंत्रण के लिए लड़े जा रहे हैं। पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की धुरी तेल और गैस पर टिकी है। ऐसे में भारत जैसे आयात-निर्भर देश के लिए यह संकट केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन चुका है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण जलमार्ग पर संभावित बाधा भारत के लिए 'ऊर्जा लॉकडाउन' जैसी स्थिति पैदा कर सकती है। देश अपनी तेल और गैस जरूरतों का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से प्राप्त करता है। कच्चे तेल की कीमतों में हालिया उछाल यह संकेत दे रहा है कि वैश्विक अस्थिरता का सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। चालू खाता घाटा बढ़ना, महंगाई में इजाफा और विकास दर पर दबाव–ये सभी उस निर्भरता की कीमत हैं, जिसे लंबे समय से नजरअंदाज किया गया। इस परिप्रेक्ष्य में भारत का सीमित सामरिक पेट्रोलियम भंडार चिंता का विषय है। जहां विकसित देश 90 दिनों तक की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं, वहीं भारत अभी भी कुछ दिनों के भंडार पर निर्भर है। यह स्थिति बताती है कि ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भरता केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। ऊर्जा निर्भरता का प्रभाव कूटनीति पर भी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। विदेशी तेल पर अत्यधिक निर्भरता भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को सीमित करती है और उसे वैश्विक शक्ति समीकरणों में संतुलन साधने के लिए विवश करती है। यह स्थिति दीर्घकाल में देश के स्वतंत्र निर्णयों पर प्रभाव डाल सकती है। ऐसे समय में समाधान स्पष्ट है–ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों की ओर निर्णायक कदम। सौर, पवन, ग्रीन हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी केवल पर्यावरणीय विकल्प नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता हैं। साथ ही, ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को भी जनआंदोलन का रूप देना होगा।

अंततः, यह संकट एक चेतावनी है कि सच्ची संप्रभुता केवल सीमाओं की सुरक्षा में नहीं, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता में निहित है। यदि भारत को वैश्विक मंच पर सशक्त और स्वतंत्र बने रहना है, तो उसे ऊर्जा के क्षेत्र में त्वरित, ठोस और दूरदर्शी निर्णय लेने होंगे।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

उपेक्षित आबादी बनाम वैश्विक एजेंडा : असली मुद्दे क्यों ओझल हो रहे हैं?

कैलाश चन्द्र

> भारत का सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य जितना विशाल है, उतना ही जटिल भी। इस जटिलता के बीच दो वास्तविकताएँ आज हमारे सामने खड़ी हैं– पहली, भारत के 11 करोड़ से अधिक घुमन्तु, अर्धघुमन्तु और डिनोटिफाइड जनजाति समुदाय (DNT/NT/SNT) जो पहचान, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य व मानवाधिकारों की बुनियादी लड़ाई लड़ रहे हैं। दूसरी, LGBTQ+ समुदाय का मुद्दा, जिसकी जनसंख्या लगभग 5-6 लाख मानी जाती है, किन्तु राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विमर्श में उसकी उपस्थिति अत्यधिक बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत की जा रही है। एक ओर विशाल आबादी है जो अदृश्य बनी हुई है, दूसरी ओर एक छोटा समुदाय वैश्विक एजेंडों और वित्तीय तंत्रों के माध्यम से राष्ट्रीय बहस को प्रभावित कर रहा है। इस विरोधाभास ने एक बड़ा प्रश्न खड़ा किया है–क्या हमारे राष्ट्रीय मुद्दों पर वैश्विक एजेंडों का कब्जा हो रहा है?

भारत की जनजातियाँ–चाहे अनुसूचित जनजाति हों या घुमन्तु-अर्धघुमन्तु समुदाय–हमेशा से भारतीय सभ्यता का अंग रही हैं। विवाह परम्परा, कृषि-कौशल, वन-ज्ञान, संगीत-नृत्य, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक स्वायत्तता–ये सभी भारतीय समाज के मूल स्वरूप से उत्पन्न हैं।

लेकिन औपनिवेशिक दौर ने इनके परिचय में जान-बूझकर भ्रम पैदा किया। मैक्समूलर और मैकाले जैसे विद्वानों ने "Indigenous", "Aboriginal", "Tribe" जैसे विदेशी शब्द थोपे, जिससे भारतीय जनजाति समाज को 'मुख्यधारा से अलग' दिखाने का प्रपंच रचा गया। ब्रिटिश शासन के लिए इसका उद्देश्य स्पष्ट था–वन-संपदा, खनिज और भूमि पर अधिपत्य। उद्योगों के विस्तार के लिए वन समुदायों के अधिकारों को कमजोर किया गया। Criminal Tribes Act 1871 जैसे कानूनों ने संपूर्ण समुदायों को अपराधी घोषित कर दिया–यह कलंक आज तक कई क्षेत्रों में सामाजिक व्यवहार का हिस्सा है।

स्वतंत्र भारत में भी यह उपेक्षा समाप्त नहीं हुई। Renke Commission (2008) और Idate Commission (2018) के अनुसार-

* देश में 8-11 करोड़ घुमन्तु-डिनोटिफाइड जनजातियाँ
* अब तक एक भी जनगणना में अलग श्रेणी नहीं
* 70-80त्न के पास स्थायी पता, पहचान पत्र, आवास दस्तावेज़ नहीं
* सरकारी योजनाएँ इन तक पहुंच ही नहीं पातीं
* शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य की स्थिति बेहद दयनीय
* रोजगार और आजीविका के अवसर न्यूनतम

सवाल स्पष्ट है–जब 11 करोड़ आबादी अपनी बुनियादी पहचान तक से वंचित है, तब इसे राष्ट्रीय विमर्श में स्थान क्यों नहीं मिलता?

LGBTQ+ विमर्श का वैश्विक उत्थानः क्या यह भारत का प्राथमिक मुद्दा है?

यह स्वीकार करना अनिवार्य है कि LGBTQ+ व्यक्तियों को सम्मान, सुरक्षा और संवैधानिक अधिकार मिलना चाहिए–यह किसी लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए अनिवार्य है।

लेकिन मुद्दा यहाँ तुलना का है–

* LGBTQ+ अनुमानित जनसंख्याः 5-6 लाख
* DNT/NT/SNT तथा समान समुदायः 8-11 करोड़
* राष्ट्रीय विमर्श में LGBTQ+ को मिलने वाला स्थानः अत्यधिक
* घुमन्तु समुदायों को मिलने वाला स्थानः नगण्य

तो ऐसा क्यों हो रहा है?

उत्तर मिलता है वैश्विक फंडिंग नेटवर्क में–

* Ford Foundation
* Open Society Foundations
* Rockefeller Network
* Human Rights Fund
* UNDP Inclusion Fund
* वैश्विक CSR तंत्र

ये संस्थाएँ भारतीय विश्वविद्यालयों, [illegible] नेटवर्क, मीडिया, सांस्कृतिक आयोजनों और डिजिटल अभियानों में भारी निवेश कर रही हैं–मुख्यतः [illegible] और जेंडर-फ्लुइडिटी एजेंडा के विस्तार के लिए।

आँकड़े बताते हैं कि पिछले 5 वर्षों में [illegible] आधारित कार्यक्रमों व उत्सवों में 200-400त्न तक वृद्धि हुई है–लिट फेस्ट, फिल्म फेस्टिवल, सोशल मीडिया कॉन्क्लेव, जेंडर डायलॉग्स आदि में।

यही समय अवधि है जिसमें घुमन्तु समाज पर एक भी राष्ट्रीय स्तर का आयोजन नहीं हुआ।

ब्रांडिंग बनाम वास्तविक मुद्देः क्यों अलग हैं प्राथमिकताएँ?

सामाजिक विशेषज्ञों का कहना है कि LGBTQ+ विषय–

* शहरी ब्रांडिंग के अनुकूल
* कॉर्पोरेट प्रगतिशीलता के मॉडल से मेल खाता
* पश्चिमी राजनीतिक एजेंडों के अनुरूप
* मीडिया-एलीट वर्ग के लिए प्रतिष्ठित

इसलिए इसे वित्तीय सहयोग और मंच उपलब्ध करवाना आसान है।

इसके विपरीत–

* घुमन्तु/डिनोटिफाइड जनजातियाँ न शहरी हैं
* न उनके पास सामाजिक-डिजिटल प्रभाव
* न वे बाजार या मीडिया के लिए ÷सेलिबल÷ हैं
* न उनकी कहानी वैश्विक विमर्श के अनुकूल है

अर्थात, वे 'ब्रांड वैल्यू' नहीं बन पातीं–इसीलिए विमर्श से बाहर हैं।

शिक्षा का असंतुलनः queer theory बनाम घुमन्तु इतिहास

पिछले कुछ वर्षों में कई प्रमुख विश्वविद्यालयों ने–

* gender fluidity
* queer studies
* se&uality curriculum

को अपने पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया है।

वहीं दूसरी ओर–

* घुमन्तु जनजातियों का इतिहास
* उनकी परम्पराएँ
* कला, भाषा, संस्कृति
* औपनिवेशिक शोषण का वर्णन

इनमें से किसी पर कोई राष्ट्रीय स्तर का अकादमिक कार्यक्रम उपलब्ध नहीं।

इसका अर्थ स्पष्ट है–भारत की शिक्षा प्रणाली भी वैश्विक एजेंडों से प्रभावित हो रही है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

भारत में भी जिन्दगी पर भारी पड़ रहा है कैंसर

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में कैंसर से जीवन गंवाने वाले लोगों की तादाद लगातार बढ़ रही है तमाम कोशिश नाकाम बन रही है वहीं बच्चों के लिए कैंसर की बीमारी बेहद घातक बन रही है। दुनिया भर में बच्चों में कैंसर एक गंभीर और बढ़ती हुई चिंता बनता जा रहा है, लेकिन सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि इसके ज्यादातर मामले और मौतें गरीब और मध्यम आय वाले देशों में हो रही हैं. द लैंसेट में पब्लिश ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज 2023 स्टडी ने इस असमानता को लेकर कई चौंकाने वाले आंकड़े सामने रखे हैं. रिपोर्ट के अनुसार, साल 2023 में दुनिया भर में बच्चों में कैंसर के लगभग 3.77 लाख नए मामले सामने आए, जबकि करीब 1.44 लाख बच्चों की मौत हो गई, यह बीमारी बच्चों में मौत के प्रमुख कारणों में शामिल हो चुकी है और खसरा, टीबी और एचआईवी एड्स जैसी बीमारियों से भी ज्यादा जान ले रही है। आपको बता दें कि दुनिया कितनी भी तरक्की कर ले, लेकिन स्वास्थ्य सुविधाओं का अंतर आज भी मासूमों की जान ले रहा है। चिकित्सा जगत की प्रतिष्ठित पत्रिका लैंसेट की एक ताजा रिपोर्ट ने वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था की कलई खोल दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, बचपन में होने वाले कैंसर (कर्क रोग) के 85 प्रतिशत नए मामले कम और मध्यम आय वाले देशों में सामने आ रहे हैं, लेकिन डराने वाली बात यह है कि इन देशों में मौतों का आंकड़ा कुल वैश्विक मौतों का 94 प्रतिशत है। यानी संसाधनों के अभाव में गरीब देशों के बच्चे इलाज मिलने से पहले ही दम तोड़ रहे हैं। दक्षिण एशिया इस संकट का बड़ा केंद्र बना हुआ है, जहां दुनिया के कुल चाइल्डहुड कैंसर से होने वाली मौतों का लगभग 20.5 प्रतिशत हिस्सा दर्ज किया गया. इसके अलावा, 1990 से 2023 के बीच इन मौतों में करीब 16.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी भी देखी गई है. हालांकि एक पॉजिटिव पहलू यह भी है कि वैश्विक स्तर पर मौतों में कुछ कमी आई है, लेकिन इसका लाभ सभी देशों तक समान रूप से नहीं पहुंच पाया है. उच्च आय वाले देशों में इलाज बेहतर होने से बच्चों के बचने की संभावना ज्यादा है, जबकि गरीब देशों में समय पर जांच और इलाज की कमी बड़ी बाधा बन रही है. इस स्टडी की प्रमुख लेखक लिसा फोर्स कहती हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं की असमानता के कारण ही यह अंतर पैदा हो रहा है. देर से डायग्नोसिस, जरूरी इलाज की कमी और स्वास्थ्य प्रणाली की कमजोरियां बच्चों की जान जोखिम में डाल रही हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

विज्ञान आधारित स्वास्थ्य क्रांति की ओर बढ़ती दुनिया

योगेश कुमार गोयल

> 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन् 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे।

दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें, विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्य- हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन् 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे।

हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई, तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबादी को आज भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। विश्वभर में अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं होती। करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं तथा स्वास्थ्य देखभाल में से किसी एक को चुनने पर विवश होना पड़ता है।

भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है। यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं, जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है, जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए। वैज्ञानिक उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तकनीक और विज्ञान तभी वास्तविक रूप से सफल माने जाएंगे, जब वे एक गरीब की झोपड़ी तक सुलभ और वहनीय हों। जल जनित रोग, टाइफाइड और कुपोषण जैसी बीमारियां अभी भी हमारे समाज के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं, जो सीधे तौर पर स्वच्छता, शुद्ध पेयजल और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की कमी को दर्शाती हैं। स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को सार्वभौमिक बनाने के लिए विज्ञान के साथ अडिग खड़ा होना और साक्ष्य-आधारित मार्गदर्शन को पूरी निष्ठा से अपनाना ही वह एकमात्र मार्ग है, जो हमें एक स्वस्थ भारत और समृद्ध विश्व की ओर ले जाएगा। आज आवश्यकता केवल उपचार की नहीं बल्कि वैज्ञानिक सोच को अपनी दिनचर्या और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने की है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शब्द पहेली - 8689

1	2		■	3	4		■	5
■		■	6			■	7	
8		■		■	9			■
	■	10		11		■		■
12	13		■		■	14		15
■		■	16		17		■	
■	18			■	19	■	20	
21		■	22	23		■		■
	■	24			■	25		

बाएँ से दाएँ

1. तन, शरीर-3
3. चकोर, चंद्रप्रेमी पक्षी-3
6. झगड़ा, द्वेष-3
7. मोटा आटा-2
8. खिंचाव, स्वर विस्तार-2
9. असली, शुद्ध-3
10. यंत्रशाला-4
12. कार्यविधि-3
14. चिंगारी-3
16. एक कंद जिसे सुखा कर सौंठ बनाई जाती है-4
18. दूल्हे की पगड़ी-3
20. सम्मान-2
21. प्राण, जीवन तत्व-2
22. कुशल, होनहार-3
24. राशिचक्र की एक राशि-3
25. प्रेमी, साजन- 3

ऊपर से नीचे

2. अवलोकन, दरस-3
3. चलने का ढंग-2
4. तलघर-4
5. इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6. जलजला-3
7. रसीला, रस से भरपूर-4
8. बल, जोर, दम-3
10. चाचा, अंकल-2
11. शौहर, पति-3
13. 'दीवाने हुए पागल' की नायिका-2,2
14. वहम, संदेह-3
15. राजा, सम्राट-3
16. उपद्रवी, आतंकी-4
17. गिरवी रखी वस्तु-3
20. बैठने की जगह-3
21. शराब का प्याला-2
23. रांझे की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8688 का हल

■	अ	जा	न	■	स	ली	का	■
दा	दा	■	सी	■	ह	■	या	द
मि	■	■	ब	र	सा	त	■	म
नी	र	व	■	थ	■	र	ह	न
■	■	ज	रा	■	सा	की	■	■
सु	ल	ह	■	दां	■	ब	हा	व
दा	■	■	सा	व	न	■	■	ज
मा	ता	■	ह	■	थ	■	का	न
■	त	म	स	■	न	क	ल	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

7 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मीन में	मेष	06.12 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	वृष	07.52 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.50 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.04 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.20 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.32 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.43 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.57 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.13 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मकर	01.18 बजे से
		कुंभ	03.05 बजे से
		मीन	04.38 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 97 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 16.35 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा अहोरात्र।
योग व्यतीपात 16.17 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 16.35 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 18.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 06° 45'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872672
जूलियन दिन 2461137.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 18
विशेष विश्व स्वास्थ्य दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

नाबालिग बालिका को पुलिस ने 24 घंटे में किया दस्तयाब, सुरक्षित परिजनों को सौंपा

अनूपपुर। अनूपपुर कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गुमशुदा 15 वर्षीय नाबालिग बालिका को महज 24 घंटे के भीतर सुरक्षित दस्तयाब कर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए गए अभियान के तहत 4 अप्रैल 2026 को बालिका के घर से बिना बताए लापता होने की सूचना पर कोतवाली अनूपपुर में मामला दर्ज किया गया। इसके बाद थाना प्रभारी के नेतृत्व में गठित टीम ने लगातार तलाश शुरू की।जांच के दौरान पुलिस टीम ने बालिका को जैतहरी रेलवे स्टेशन से 5 अप्रैल को सुरक्षित बरामद कर लिया। पूछताछ में बालिका ने बताया कि मोबाइल उपयोग को लेकर माता-पिता की डांट से नाराज होकर वह घर छोड़कर चली गई थी।पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई पूरी कर बालिका को सकुशल परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। इस सराहनीय कार्य में पुलिस टीम और साइबर सेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रख रखाव कार्य के चलते अनूपपुर के विभिन्न क्षेत्रों में 7 एवं 8 अप्रैल को विद्युत आपूर्ति रहेगी अवरुद्ध

अनूपपुर। म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड अनूपपुर के कार्यपालन अभियंता (संचा./संधा.) ने बताया है कि उपसंभाग अनूपपुर अंतर्गत 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र, 33 के.व्ही. लाइन, एल.टी. लाइन एवं ट्रांसफार्मरों का रखरखाव का कार्य किया जाएगा। उक्त कार्य के प्रभावी रूप से सम्पादन हेतु विभिन्न उपकेन्द्रों/फीडरों में विद्युत आपूर्ति अवरुद्ध रहेगी। कार्यपालन अभियंता ने बताया है कि 07 अप्रैल को 11 के.व्ही. मॉडल फीडर से जुड़े समस्त विद्युत उपभोक्ताओं, 11 के.व्ही. न्यू बम्हनी फीडर से जुड़े समस्त विद्युत उपभोक्ताओं, 11 के.व्ही. पिपरिया ए.जी. फीडर से जुड़े समस्त विद्युत उपभोक्ताओं, 11 के.व्ही. केल्हौरी फीडर से जुड़े समस्त विद्युत उपभोक्ताओं तथा 8 अप्रैल को 11 के.व्ही. जमुड़ी फीडर से जुड़े समस्त विद्युत उपभोक्ताओं, 11 के.व्ही. पसला फीडर से जुड़े समस्त विद्युत उपभोक्ताओं, 11 के.व्ही. पिपरिया डी.एल. फीडर से जुड़े समस्त विद्युत उपभोक्ताओं, 11 के.व्ही. बकेली फीडर से जुड़े समस्त विद्युत उपभोक्ताओं के यहां प्रातः 7:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक विद्युत आपूर्ति अवरुद्ध रहेगी। कार्य के अनुसार विद्युत आपूर्ति अवरुद्ध रहने की समयावधि को बढ़ाया या घटाया जा सकता है।

जिले के 5 नगरीय निकायों को अप्रैल माह हेतु किया गया गेहूं एवं फोर्टीफाईड चावल का आवंटन

अनूपपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय म.प्र. भोपाल द्वारा दीनदयाल अन्त्योदय रसोई योजनान्तर्गत माह अप्रैल 2026 हेतु राशन सामग्री के लिए गेहूं 64.8 क्विंटल व फोर्टीफाईड चावल 16.2 क्विंटल कुल 81 क्विंटल खाद्यान्न का आवंटन जिले को उपलब्ध कराया गया है। जिसमें से जिला आपूर्ति अधिकारी ने नगरपालिका कोतमा के उचित मूल्य दुकान कोतमा वार्ड 01 से 04 नगरपालिका को गेहूं 12 क्विंटल तथा चावल 3 क्विंटल, नगरपालिका अनूपपुर के उचित मूल्य दुकान अनूपपुर वार्ड 11 से 13 को गेहूं 4.8 क्विंटल तथा चावल 1.2 क्विंटल, नगरपालिका बिजुरी के उचित मूल्य दुकान बिजुरी वार्ड 02 से 06 को गेहूं 12 क्विंटल तथा चावल 3 क्विंटल, नगरपालिका पसान के उचित मूल्य दुकान पसान वार्ड 08 से 13 को गेहूं 12 क्विंटल तथा चावल 3 क्विंटल एवं नगर परिषद अमरकंटक के उचित मूल्य दुकान अमरकंटक वार्ड 8 से 15 नगरपालिका को गेहूं 24 क्विंटल तथा चावल 6 क्विंटल आवंटित किया है। योजनान्तर्गत गेहूं व चावल का प्रदाय एक रुपये प्रति कि.ग्रा. की दर से किया जाएगा।

राज्य स्तरीय पदक विजेता खिलाड़ियों को मिलेगी खेलवृत्ति, 31 मई तक करें आवेदन

अनूपपुर। संचालनालय, खेल और युवा क?याण भोपाल के निर्देशानुसार जिले के प्रतिभावान खिलाड़ियों के लिए राज्य स्तरीय खेलवृत्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह खेलवृत्ति उन खिलाड़ियों को प्रदान की जाएगी जिन्होंने 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के मध्य आयोजित अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक अर्जित किया है। निर्धारित प्रावधानों के अनुसार स्वर्ण पदक विजेताओं को 10,000 रुपये, रजत पदक विजेताओं को 8,000 रुपये तथा कांस्य पदक विजेताओं को 6,000 रुपये की खेलवृत्ति राशि प्रदान की जाएगी।खेलवृत्ति हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 मई 2026 निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। इच्छुक एवं पात्र खिलाड़ी आवेदन संबंधी विस्तृत जानकारी चचाई रोड, अनूपपुर स्थित जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। खेलवृत्ति के दिशा-निर्देश व नियमावली विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

न्यायाधीश ने किया जेल का निरीक्षण

उमरिया। सचिव न्यायाधीश श्री मोहन डावर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया द्वारा जेल का निरीक्षण / अवलोकन किया गया। बंदियों के बैरकों में जाकर बंदियों के आपराधिक प्रकरण की जानकारी, हिस्ट्री टिकट का अवलोकन कर प्रकरण क्रमांक, न्यायालय का नाम, पेशी दिनांक, इनकमिंग टेलीफोन, प्रत्यक्ष मुलाकात एवं कैदियों का वजन, उम्र, नियुक्त अधिवक्ता के संबंध में बंदियों से पूछतांछ की गई।

कोतमा में 'करंट' से बड़ा घोटाला, 3.85 लाख का नुकसान

विभाग की नींद नहीं टूटी — आखिर किसे बचाया जा रहा है?, अवैध प्लॉटिंग के लिए पेड़ कटाई बनी आफत

ट्रांसफार्मर जला, पोल टूटा — 5 दिन तक खामोश रहा विभाग, अब पुलिस जांच पर टिकी उम्मीदें

विजय मत, अनूपपुर

कोतमा के वार्ड क्रमांक 8 स्लामगंज में हुई एक गंभीर घटना ने न सिर्फ पूरे इलाके की बिजली व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया, बल्कि सरकारी सिस्टम की कार्यशैली को भी कठघरे में खड़ा कर दिया है। अवैध प्लॉटिंग के लिए की गई लापरवाही से जहां विद्युत विभाग को करीब 3.85 लाख रुपये का भारी नुकसान हुआ, वहीं विभाग की संदिग्ध चुप्पी और देर से की गई कार्रवाई ने पूरे मामले को और भी गंभीर बना दिया है। यह सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि लापरवाही, अवैध गतिविधियों और संभावित मिलीभगत का खतरनाक संगम बनकर सामने आया है।

पेड़ की एक डाल ने उड़ाया पूरा सिस्टम

19 मार्च 2026 की शाम करीब 5¬45 बजे एक निजी बाड़े में नीम का पेड़ काटा जा रहा था। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह कोई सामान्य कटाई नहीं थी, बल्कि जमीन को प्लॉटिंग के लिए तैयार करने की साजिश का हिस्सा थी। लेकिन लापरवाही इतनी भारी पड़ी कि पेड़ की मोटी डाल सीधे एलटी लाइन पर जा गिरी।

इसके बाद जो हुआ, उसने पूरे सिस्टम की पोल खोल दी,बिजली पोल मौके पर ही टूटकर गिर गया। केबल जलकर पूरी तरह नष्ट हो गई डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स क्षतिग्रस्त हो गयाऔर सबसे बड़ा नुकसान ,ट्रांसफार्मर शॉर्ट सर्किट से पूरी तरह फुंक गया इस घटना के बाद पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूब गया और आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

मरम्मत में तेजी, कार्रवाई में 'सन्नाटा'

घटना के बाद विद्युत विभाग ने अपनी तकनीकी टीम को सक्रिय करते हुए बिजली आपूर्ति बहाल कर दी। लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ तार जोड़ देना ही जिम्मेदारी है?इतनी बड़ी क्षति और स्पष्ट लापरवाही के बावजूद, मौके पर पुलिस को सूचना नहीं दी गई,किसी जिम्मेदार अधिकारी ने तत्काल एफआईआर दर्ज नहीं कराई दोषियों की पहचान के बावजूद कार्रवाई टाल दी गई,सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि पूरे 5 दिन बाद, 24 मार्च को एक पत्र भेजकर औपचारिकता पूरी की गई। यह देरी सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि जिम्मेदारी से बचने या किसी को बचाने की कोशिश भी हो सकती है।

अवैध प्लॉटिंग का 'खुला खेल', प्रशासन मौन

स्थानीय सूत्रों का दावा है कि जिस जमीन पर यह घटना हुई, वहां लंबे समय से अवैध प्लॉटिंग की तैयारी चल रही थी। पेड़ इस काम में बाधा बन रहे थे, इसलिए उन्हें हटाया जा रहा था। बड़ा सवाल यह है, बिना अनुमति पेड़ों की कटाई कैसे हो रही थी? क्या स्थानीय प्रशासन को इसकी भनक नहीं थी? या फिर सब कुछ जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा था? अगर यह अवैध प्लॉटिंग का मामला है, तो यह सिर्फ बिजली नुकसान नहीं, बल्कि भूमि घोटाले का भी संकेत है।

पर्यावरण पर हमला, वन विभाग भी कटघरे में

घटना सिर्फ बिजली व्यवस्था तक सीमित नहीं है। कई फलदार और हरे-भरे पेड़ों की कटाई ने पर्यावरण को भी गहरी चोट पहुंचाई है।पर्यावरण संरक्षण कानूनों के तहत बिना अनुमति पेड़ काटना गंभीर अपराध है। इसके बावजूद खुलेआम पेड़ों की कटाई यह दर्शाती है कि या तो निगरानी कमजोर है या फिर जानबूझकर आंखें मूंदी गई हैं।

हालांकि शिकायत के बाद वन विभाग ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम सामने नहीं आया है।

इनका कहना है

डाक के माध्यम से विद्युत विभाग के द्वारा शिकायत हमें प्राप्त हुई थी हमने जाच शुरू कर दी है हमने मौके पर भी जाकर देखा है पेड़ कटे हैं, शिकायत पर जो नाम लिखित किए गए उन्हें बयान के लिए थाने बुलाया गया था जल्द ही जांच पूरी कर मामला दर्ज किया जाएगा ।

रत्नांबर शुक्ला
थाना प्रभारी कोतमा

शिकायत प्राप्त हुई है फलदार वृक्ष काटने का मौके पर टीम को भेज कर जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पवन ताम्रकार
वन परिक्षेत्र अधिकारी बिजुरी जिला अनूपपुर

नगरपालिका बिजुरी के विभिन्न वार्डों में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के तहत हुआ श्रमदान

विजय मत, अनूपपुर

प्रदेशव्यापी 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत नगर पालिका परिषद बिजुरी द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों में स्थित प्राचीन तालाबों एवं जल संरचनाओं के संरक्षण हेतु विशेष स्वच्छता एवं श्रमदान अभियान संचालित किया गया। यह अभियान कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली के निर्देशन में मानसून पूर्व जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन और स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।

अभियान के दौरान वार्ड क्रमांक 07, 09, 10 एवं 15 में स्थित प्रमुख तालाबों पर नगर पालिका अमले एवं स्थानीय नागरिकों की सहभागिता से व्यापक साफ-सफाई की गई। वार्ड नं. 09 स्थित सूर्य मंदिर तालाब में घाटों की सफाई के साथ जलकुंभी एवं कचरे को हटाया गया। वार्ड नं. 15 के भावनिया देवी तालाब परिसर में झाड़ियों की कटाई-छंटाई कर विसर्जित सामग्री हटाई गई। इसी प्रकार वार्ड नं. 10 के देवी मंदिर तालाब में किनारों की सफाई का कार्य किया गया, जबकि वार्ड नं. 07 स्थित भालूगुडार तालाब के आसपास फैले प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट को एकत्रित कर स्वच्छता वाहनों के माध्यम से निष्पादित किया गया।

जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे जल स्त्रोतों में कचरा, प्लास्टिक एवं पूजन सामग्री का विसर्जन न करें तथा जल संरक्षण के प्रति जागरूक रहें। ताकि वर्षा ऋतु के आगमन से पूर्व नगर के सभी पारंपरिक जल स्त्रोतों को पूर्णतः स्वच्छ कर संरक्षित किया जाए, जिससे भू-जल स्तर में सुधार सुनिश्चित हो सके।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए वरदान भरण-पोषण अधिनियम-2007

उपेक्षा या परित्याग करने पर हो सकती है जेल, एसडीएम न्यायालय में आवेदन की सुविधा

विजय मत, अनूपपुर

वृद्धावस्था में अपनों के सहारे की आस रखने वाले वरिष्ठजनों के लिए ''माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम-2007'' एक मजबूत कानूनी आधार बनकर सामने आया है। यह अधिनियम बुजुर्गों को आर्थिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार सुनिश्चित करता है।

अधिनियम के प्रमुख प्रावधान एवं लाभ

23 अगस्त 2008 से लागू इस कानून के अंतर्गत, आय या संपत्ति के अभाव में वरिष्ठ नागरिक अपने वयस्क बच्चों या विधिक उत्तराधिकारियों से भरण-पोषण हेतु मांग कर सकते हैं। भरण-पोषण में वित्तीय सहायता के साथ भोजन, वस्त्र, आवास, चिकित्सा और मनोरंजन जैसी आवश्यकताएँ शामिल हैं। वित्तीय सीमा- ट्रिब्यूनल अधिकतम 10,000 रुपये प्रति माह भरण-पोषण दिला सकता है। कठोर दंडात्मक कार्यवाही- वरिष्ठजनों की उपेक्षा या परित्याग एक संज्ञेय अपराध है। दोषी को 5,000 रुपये जुर्माना, 3 माह कारावास, या दोनों दंड मिल सकते हैं।

सहायता कैसे प्राप्त करें

वरिष्ठ नागरिक अपने क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) यानी एसडीएम के समक्ष आवेदन कर सकते हैं। प्रशासन द्वारा त्वरित निपटान सुनिश्चित किया जाएगा।

यह अधिनियम समाज के बुजुर्गों के प्रति हमारी नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी का प्रतीक है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी वरिष्ठ नागरिक वृद्धावस्था में असहाय महसूस न करे।

बाल सह युवा नाट्य कार्यशाला का आयोजन शहडोल में

शहडोल। अप्रैल माह में , मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय द्वारा, शहडोल में बाल सह युवा नाट्य कार्यशाला का आयोजन कराया जा रहा है, रंगमंच एवं अभिनय में इच्छुक प्रतिभागी इसमे सहभागिता कर सकते हैं, कार्यशाला निर्देशक के रूप में चयनित, रंगकर्मी लकी चतुर्वेदी ने बताया, की इस कार्यशाला के आयोजन अंतर्गत सहभागिता करने बाले प्रतिभागियों को, अभिनय , बॉडी लैंग्वेज, बॉडी मूवमेंट, इंप्रोवाइजेशन, डायलॉग डिलीवरी, कैरक्टराइजेशन, थिएटर गेम , इमेजिनेशन, ऑब्जरवेशन, वॉइस एंड स्पीच, एक्सप्रेशन, स्क्रिप्ट रीडिंग राइटिंग, कविता एवं कहानी वाचन, ट्रेडिशनल लोक कला गीत नृत्य, थियेटर मैनेजमेंट, वस्त्र सज्जा, रूप सज्जा, मंच सज्जा सामग्री, लाइट डिजाइन, प्रॉप्स बनाना व उसके उपयोग,मुखौटे , इत्यादि से रूबरू होने व सीखने का अवसर प्राप्त होगा, साथ ही एक नाट्य प्रस्तुति भी तैयार की जाएगी, जो की कार्यशाला के समापन सत्र में प्रस्तुत की जाएगी ।

भाजपा ने किया कार्यालय निर्माण का भूमि पूजन

अनूपपुर चचाई रोड़ पर बनेगा भव्य कार्यालय , युवाओं ने ली सदस्यता, प्रत्येक बूथ पर मनाया स्थापना दिवस

विजय मत, अनूपपुर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अनूपपुर जिला कार्यालय निर्माण के लिए चचाई रोड पर आज 6 अप्रैल 2026 को भूमि पूजन का भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। मध्य प्रदेश शासन के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिलीप जायसवाल, जिले के प्रभारी मंत्री एवं शहडोल सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रामलाल रौतेल, जिला प्रभारी संजय साहू, जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम, पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल गुप्ता, रामदासपुरी आधार वैश्य एवं बृजेश गौतम की उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

वर्चुअल माध्यम से मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जमवाल ने मार्गदर्शन प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, भाजपा का कार्यालय कार्यकर्ताओं की आधारशिला है। यह केवल दफ्तर नहीं, बल्कि भाजपा कार्यकर्ता के लिए एक मंदिर के समान है। कार्यक्रम के दौरान कोतमा में हुई दुखद घटना के शोक में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने दो मिनट का मौन धारण कर मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

युवाओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

बैठक के दौरान वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में अनूपपुर भाजपा मंडल के लगभग 50 युवा कार्यकर्ताओं ने मंडल अध्यक्ष बृजेश चतुर्वेदी के प्रयास से भाजपा की सदस्यता ली। जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम एवं जिला प्रभारी संजय साहू ने उन्हें अंगवस्त्र ओढ़ाकर पार्टी में स्वागत किया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

उत्साह से मनाया 47वां स्थापना दिवस

भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के नेतृत्व में अनूपपुर जिले के सभी बूथों पर कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम आयोजित किए। विभिन्न मंडलों में विशेष कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह ने दी।

जागरूकता

किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु किया गया जागरूक

लखौरा विद्यालय में एचपीवी टीकाकरण जागरूकता शिविर संपन्न

विजय मत, अनूपपुर

कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन एवं स्वास्थ्य व शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आज शासकीय उत्कृष्ट उच?चतर माध?यमिक विद्यालय लखौरा में छात्राओं के मध्य सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम हेतु ह्यूमन पैपिलोमा वायरस टीकाकरण जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को इस गंभीर बीमारी के प्रति सचेत करना और समय पर सुरक्षा कवच प्रदान करना रहा। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री विनोद परस?ते, स?वास?थ?य विभाग , विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षकगण, स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि, आशा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में बताया गया कि जिला प्रशासन महिलाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति अत्यंत गंभीर है। सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसरों में से एक है, जिसे सही समय पर टीकाकरण के माध्यम से रोका जा सकता है। केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप यह टीका किशोरियों के लिए पूरी तरह सुरक्षित और प्रभावी है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य कर्मियों ने टीकाकरण को लेकर छात्राओं के मन में व्याप्त शंकाओं का वैज्ञानिक तर्कों के साथ समाधान किया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की निगरानी में यह अभियान संचालित किया जा रहा है, जिससे घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने जानकारी दी कि आगामी शिविरों के माध्यम से जिले की सभी पात्र छात्राओं का शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। शासन के ÷पूर्ण सुरक्षित बचपन÷ संकल्प के अंतर्गत जिला प्रशासन का लक्ष्य प्रत्येक पात्र किशोरी को इस टीकाकरण अभियान से जोड़ना है।

शिविर में छात्राओं ने न केवल स्वयं टीका लगवाने, बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी कैंसर के लक्षणों और बचाव के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

न्यूज इन शॉर्ट

बड़ी भीट तालाब में श्रमदान कर की गई साफ-सफाई

शहडोल। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आशा जितेंद्र भंडारी के निर्देशन में नगर पालिका परिषद शहडोल द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 16 स्थित बड़ी भीट तालाब में श्रमदान कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि यह अभियान 19 मार्च से 30 जून 2026 तक निरंतर संचालित किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य नगर के जल स्रोतों का संरक्षण, संवर्धन एवं स्वच्छता सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम के दौरान तालाब परिसर में व्यापक साफ-सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें नगरपालिका के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ-साथ सामाजिक संस्था साइओम विजन के प्रतिनिधियों एवं स्वच्छता मित्रों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए श्रमदान किया। सभी के संयुक्त प्रयासों से तालाब क्षेत्र की स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण में सकारात्मक सुधार देखा गया।इस अवसर पर कार्यालय अधीक्षक मोतीलाल सिंह, उपयंत्री पुनीत त्रिपाठी, स्वच्छता निरीक्षक अनिल महोबिया सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं नागरिकजन उपस्थित रहे।नगर पालिका परिषद शहडोल द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे जल संरक्षण एवं स्वच्छता से जुड़े इस प्रकार के अभियानों में बढ़-चढ़कर भाग लें तथा अपने आसपास के जल स्रोतों को स्वच्छ एवं संरक्षित रखने में सहयोग प्रदान करें।

शहडोल जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी 15 अप्रैल से

शहडोल। जिला आपूर्ति नियंत्रक विपिन पटेल ने जानकारी दी है कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए जारी मानक संचालन प्रक्रिया को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार गेहूं खरीदी की तिथियों में संशोधन किया गया है। अब इंदौर, उज्जैन, भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग में गेहूं उपार्जन का कार्य 10 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होगा, जबकि शेष संभागों में यह प्रक्रिया 15 अप्रैल 2026 से शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन शहडोल जिले में 15 अप्रैल 2026 से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि गेंहू खरीदी 2625 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित की गई है।राज्य सरकार प्रदेश के किसानों को गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त 40 रूपए प्रति क्विंटल बोनस का लाभ भी इस वर्ष देने जा रही है।

बाल विवाह की सूचना 8319697804 मोबाइल नम्बर, 181 एवं 1098 पर दें

शहडोल। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग अखिलेश मिश्रा ने जानकारी दी है कि जिले के ग्रामीण अंचलों में विभिन्न विवाह मुहुर्त एवं यथा 20 अप्रैल 2026 को अक्षय तृतीय पर्व है. जिसमें बड़ी संख्या में बाल-विवाह होने की प्रबल संभावना होती है। शासन के मंशानुसार जिले में बाल विवाह रोकथाम हेतु जिले स्तर, ब्लाक स्तर एवं ग्राम पंचायतों में विभिन्न जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। उन्होंने बताया कि बाल विवाह की रोकथाम एवं बाल विवाह होने की सूचना प्राप्त होने पर जिला स्तर पर वन स्टॉप सेन्टर शहडोल को कन्ट्रोल रुम के रुप में स्थापित किया गया है। बाल विवाह की तैयारी करने वाले परिवार एवं बाल विवाह हाने की सूचना मोबइल नं. 8319697804 एवं टोल फ्री नम्बर 181,1098 पर दें।

धनपुरी नगरपालिका द्वारा हटाया गया अतिक्रमण

शहडोल। मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुश्री पूजा बुनकर के नेतृत्व में धनपुरी नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य एवं नवाचार किये जा रहे है। इसी अनुक्रम में मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुश्री पूजा बुनकर द्वारा नगरपालिका अंतर्गत विभिन्न वार्डो का निरीक्षण किया गया। उन्होंने कॉलेज तिराहा से नरगड़ा नाला के बीच बने शहर के मुख्य नाले का निरीक्षण कर हुए मैदानी अमले द्वारा नाले के ऊपर हुए अतिक्रमण को हटवाया ।

मौसम का यू टर्न बारिश-आंधी से बढ़ी किसानों की चिंता

बेमौसम बदलाव ने बढ़ाई परेशानी, मौसम का मिजाज तेज, कभी धूप तेज तो कभी बादलों की आवाजाही और ठंडी हवाओं के झोंके

विजय मत, शहडोल

जिले में पिछले कुछ दिनों से मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है, जिससे आम जनजीवन के साथ-साथ किसानों की चिंताएं भी बढ़ गई हैं। कभी तेज धूप तो कभी अचानक बादलों की आवाजाही और ठंडी हवाओं के झोंकों ने तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज कराई है। रविवार एवं सोमवार की दरम्यानी रात कई इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश हुई, वहीं तेज आंधी ने भी लोगों को परेशान किया। इस अप्रत्याशित बदलाव ने पूरे जिले में अस्थिर मौसम की स्थिति पैदा कर दी है।

तापमान में गिरावट, मौसम विभाग ने जताई संभावना

मौसम विभाग के अनुसार, जिले में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में उतार-चढ़ाव जारी है। हाल के आंकड़ों के अनुसार अधिकतम तापमान लगभग 31.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले दिनों की तुलना में करीब 6.3 डिग्री कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। दिनभर बादलों की मौजूदगी और ठंडी हवाओं के कारण लोगों को गर्मी से राहत तो मिली है, लेकिन मौसम की अनिश्चितता ने चिंता भी बढ़ा दी है। विभाग ने आगामी कुछ दिनों तक इसी तरह के मौसम बने रहने की संभावना जताई है।

पकी फसल पर मंडरा रहा खतरा, किसान चिंतित

इस समय खेतों में गेहूं की फसल पूरी तरह पककर तैयार खड़ी है। ऐसे में

अचानक हो रही बारिश और तेज हवाएं किसानों के लिए बड़ी समस्या बन गई हैं। किसानों का कहना है कि यदि इसी तरह का मौसम बना रहा या तेज बारिश हुई, तो उनकी मेहनत पर पानी फिर सकता है। कटाई के लिए तैयार फसल को गिरने और खराब होने का खतरा बना हुआ है, जिससे उत्पादन पर सीधा असर पड़ सकता है।

तापमान में उतार-चढ़ाव ने दिखाया मौसम का बदला मिजाज

जिले में बीते पांच दिनों के तापमान के आंकड़ों पर नजर डालें तो मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव साफ दिखाई देता है। 2अप्रैल को अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 18.8 डिग्री दर्ज किया गया। 3 अप्रैल को अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 20 डिग्री रहा। 4 अप्रैल को अधिकतम तापमान बढ़कर 35 डिग्री और न्यूनतम 21 डिग्री पहुंच गया। इसके बाद 5 अप्रैल को अचानक गिरावट दर्ज हुई, जहां अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम 16 डिग्री तक आ गया। वहीं 6 अप्रैल को अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री और न्यूनतम 17 डिग्री दर्ज किया गया, जो मौसम के लगातार बदलते रुख को दर्शाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में किसान मौसम के इस बदलाव को लेकर लगातार चिंतित नजर आ रहे हैं। कई किसानों ने जल्द से जल्द फसल कटाई की तैयारी शुरू कर दी है, ताकि संभावित नुकसान को कम किया जा सके। हालांकि, मौसम की अनिश्चितता के कारण यह काम भी चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

स्वास्थ्य पर भी दिख रहा असर, मरीजों की संख्या बढ़ी

मौसम में लगातार हो रहे बदलाव का असर लोगों के स्वास्थ्य पर भी साफ दिखाई दे रहा है। जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों के अनुसार, सर्द-गर्म की स्थिति के चलते सर्दी, खांसी और बुखार के मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है। डॉक्टरों ने लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है, खासकर सुबह और रात के समय ठंडी हवाओं से बचने की आवश्यकता बताई है। बदलते मौसम के कारण बच्चों और बुजुर्गों पर विशेष प्रभाव देखा जा रहा है। अस्पतालों में ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है, जो मौसम जनित बीमारियों से प्रभावित हैं।

यूआईटी-उत्सव 2026 का भव्य शुभारंभ, खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों से गूंजा परिसर

विजय मत, शहडोल

यूआईटी-आरजीपीवी, शहडोल में यूआईटी-उत्सव 2026 का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर संस्थान में खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन प्रारंभ हुआ, जिसमें छात्रों में खासा उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जीएमओ सोहागपुर एरिया के मनीष वास्तव एवं एनआईएस फिजिकल एजुकेशन के डॉ. पंकज शर्मा उपस्थित रहे।

डॉ. पंकज शर्मा ने विद्यार्थियों को टीम वर्क, तालमेल एवं खेल गतिविधियों के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने शारीरिक एवं मानसिक फिटनेस पर जोर देते हुए खेल भावना (स्पोर्ट्समैनशिप) के महत्व को विस्तार से बताया। साथ ही, शहीद भगत सिंह अकादमी के बारे में जानकारी देकर छात्रों का उत्साहवर्धन किया।

वहीं, मनीष श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कार्यक्रम की सराहना करते हुए नवाचार (इनोवेटिव एक्टिविटीज) को बढ़ावा देने पर बल दिया और विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में संस्थान के संचालक डॉ. पंकज जैन ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए औद्योगिक सहयोग (इंडस्ट्री कोलेबोरेशन) की दिशा में सहयोग की अपेक्षा जताई तथा खेल विकास के लिए मार्गदर्शन देने का आग्रह किया।

इस आयोजन को सफल बनाने में आशीष खरे, विपिन सिंह, नियत खान एवं अभिनाश मिश्रा का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों में उत्साह का माहौल रहा और आगामी दिनों में विभिन्न खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

सरफा नदी से अवैध रेत का उत्खनन, पुलिस ने की कार्यवाही, ट्रेक्टर ट्राली जब्त

विजय मत, शहडोल

जिले के खैरहा थाना क्षेत्र अंतर्गत मझियार गांव में पुलिस ने अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्राली जब्त की है। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक और वाहन मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सराफा नदी से अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर ट्रैक्टर-ट्राली के माध्यम से परिवहन किया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मझियार गांव के पास नदी से अवैध रेत निकाली जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्राली को पकड़ लिया।

मौके पर ट्रैक्टर चालक बद्री कोल मिला, जिससे पूछताछ की गई। पूछताछ में चालक ने बताया कि वह वाहन मालिक सुमित उर्फ लाला द्विवेदी के कहने पर नदी से रेत लेने आया था। पुलिस ने मौके से ट्रैक्टर-ट्राली जब्त कर थाना ले आई।

पुलिस ने चालक और वाहन मालिक के खिलाफ खनिज अधिनियम सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

कलेक्टर ने सभी शासकीय सेवकों को ऑनलाईन 10-10 प्रशिक्षण प्राप्त करने के दिए निर्देश

विजय मत, शहडोल

साधना सप्ताह के तहत राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह 2.0 का आयोजन 02 अप्रैल से 08 अप्रैल तक किया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा समय सीमा की बैठक में शासकीय सेवकों द्वारा प्राप्त किए जा रहे प्रशिक्षण की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने बताया कि सिविल सेवाओं में क्षमता निर्माण हेतु राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह 2.0 साधना सप्ताह का आयोजन 2 अप्रैल से 8 अप्रैल 2026 तक किया जा रहा है। यह कार्यक्रम मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है।

सभी शासकीय एवं संविदा अधिकारी-कर्मचारियों को आई गाट कर्मयोगी पोटर्ल पर पंजीयन कर न्यूनतम 10 ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूर्ण कर प्रमाण-पत्र प्राप्त करना अनिवार्य किया गया है।

इस संबंध में आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिनके तहत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने प्रोफाइल में जिला चयन कर आवश्यक जानकारी अद्यतन करनी होगी। तकनीकी सहायता के लिए पोर्टल के हेल्प सेंटर के माध्यम से लाइव सपोर्ट की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

संभाग स्तरीय समीक्षा के लिए सभी संबंधितों को निर्धारित गूगल लिंक में जानकारी भरना अनिवार्य किया गया है। साथ ही, प्रशिक्षण पूर्ण करने के पश्चात प्राप्त प्रमाण-पत्रों के डैशबोर्ड की फोटो भी लिंक में अपलोड करनी होगी।

बेलगाम रेत माफिया का तांडव, प्रशासन बना मूकदर्शक

विजय मत, शहडोल

शहडोल नगर की सड़कों पर इन दिनों हालात बेहद चिंताजनक होते जा रहे हैं। रेत से भरे ओवरलोडेड ट्रक और डग्गियां बेखौफ होकर तेज रफ्तार में शहर के भीतर प्रवेश कर रही हैं। यातायात नियमों की खुलेआम अनदेखी हो रही है, लेकिन जिम्मेदार विभागों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आ रही। प्रशासन की यह चुप्पी अब लोगों के लिए भारी पड़ती दिखाई दे रही है।

बुढार चौराहा, गांधी चौराहा, अंबेडकर चौराहा और लल्लू सिंह चौराहा जैसे व्यस्त इलाकों में भारी वाहनों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इन चौराहों पर जहां सख्त निगरानी की जरूरत है, वहां यातायात पुलिस की मौजूदगी बेहद कम दिखाई देती है। नतीजा यह है कि ट्रक चालक बिना किसी डर के नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए गुजरते हैं।

रेत से लदे ये वाहन न केवल क्षमता से अधिक भार लेकर चलते हैं, बल्कि तेज रफ्तार में भी दौड़ते हैं। कई बार इनसे गिरती रेत सड़क पर

फैल जाती है, जिससे बाइक सवार और अन्य छोटे वाहन चालकों के लिए फिसलन और दुर्घटना का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसके बावजूद कोई सख्त कार्रवाई न होना स्थिति को और भयावह बना रहा है।

नागरिकों में गुस्सा, हर दिन जोखिम में जान

शहर के लोगों में इस मुद्दे को लेकर गहरा आक्रोश है। नागरिकों का कहना है कि वे रोजाना अपनी जान जोखिम में डालकर घर से बाहर निकलते हैं। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक हो गई है। कई बार शिकायतों के बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं।

जिम्मेदार विभागों पर उठ रहे गंभीर सवाल

यातायात पुलिस, परिवहन विभाग और नगर पालिका की कार्यप्रणाली अब सवालों के घेरे में है। लोगों का मानना है कि यदि समय रहते सख्ती बरती जाती, तो स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती। नियमों को लागू करने वाले ही जब निष्क्रिय नजर आएं, तो अव्यवस्था का बढ़ना तय है। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि रेत के अवैध कारोबार को कहीं न कहीं संरक्षण मिल रहा है। इसी कारण ट्रक चालक बेखौफ होकर शहर में आवागमन कर रहे हैं। यह स्थिति न केवल प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाती है, बल्कि पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता को भी कटघरे में खड़ा करती है।

जल संकट

बिजली कटते ही ठप हुई नल-जल योजना, ग्रामीणों के सामने पानी और रोशनी दोनों का संकट

बुढ़ार जनपद में गहराया जल संकट, ग्राम पंचायत झींक बिजुरी प्यास से बेहाल

विजय मत, शहडोल

जिले के बुढ़ार जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत झींक बिजुरी इन दिनों गंभीर जल संकट से जूझ रही है। हालात इतने खराब हो चुके हैं कि गांव के लोग एक-एक बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। बिजली आपूर्ति बंद होने के कारण नल-जल योजना पूरी तरह ठप पड़ गई है, जिससे पूरे गांव में हाहाकार की स्थिति बन गई है। दिन में पानी की तलाश और रात में अंधेरे के बीच ग्रामीणों की जिंदगी कठिन होती जा रही है।

बकाया बिल बना संकट की जड़, ठप पड़ी जीवनरेखा

ग्रामीणों के मुताबिक, नल-जल योजना, जो पूरी तरह बिजली पर निर्भर है, बंद हो गई है। जिन नलों से कभी नियमित रूप से पानी मिलता था, बिजली के पर्याप्त उपलब्धता नहीं होने के कारण पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता है। गांव में पीने के पानी का कोई स्थायी विकल्प नहीं बचा है, जिससे लोग दूर-दराज के हैंडपंप और कुओं का सहारा लेने को मजबूर हैं।

विभागीय असमंजस में फंसी पंचायत, जिम्मेदारी तय नहीं

इस पूरे मामले में सबसे बड़ी समस्या जिम्मेदारी को लेकर बनी हुई है।

पहले लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा नल-जल योजना का संचालन और बिजली बिल का भुगतान किया जाता था, लेकिन अब यह जिम्मेदारी अचानक ग्राम पंचायत पर डाल दी गई है। स्थिति और उलझन भरी इसलिए है क्योंकि बिजली बिल अभी भी पीएचई के नाम से जारी हो रहे हैं, जबकि भुगतान के लिए पंचायत को कहा जा रहा है। ग्राम पंचायत के पास सीमित संसाधन हैं और स्पष्ट दिशा-निर्देशों का अभाव है। पंचायत लगातार उच्च अधिकारियों से संपर्क कर समाधान निकालने की कोशिश कर रही है, लेकिन फाइलों की धीमी प्रक्रिया के चलते कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आ पा रहा है।

पानी के लिए भटकते लोग, बढ़ रहा आक्रोश

गांव के लोगों में इस स्थिति को लेकर गहरा असंतोष है। ग्रामीणों का कहना है कि वे बुनियादी सुविधाओं से वंचित हो गए हैं। महिलाओं और बच्चों को पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है, जिससे उनकी दिनचर्या प्रभावित हो रही है। कई घरों में पीने के पानी तक की कमी हो गई है, जिससे जीवन यापन मुश्किल हो गया है।

गर्मी ने बढ़ाई मुश्किलें, संकट ले रहा विकराल रूप

जैसे-जैसे गर्मी का असर बढ़ रहा है, पानी की जरूरत भी बढ़ती जा रही है। ऐसे में नल-जल योजना के बंद होने से हालात और गंभीर हो गए हैं। सीमित जल स्रोतों पर बढ़ते दबाव ने समस्या को और गहरा कर दिया है, जिससे ग्रामीणों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग में आउटसोर्स से फर्जी भर्ती का आदेश सोशल मीडिया में छाया

विजय मत, शहडोल

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने बताया है कि स्वास्थ्य विभाग में ग्रुप डी आउटसोर्स की फर्जी नियुक्ति आदेश सोशल मीडिया वाट्सअप ग्रुप में प्रसारित किए जा रहे हैं। जिनमें मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी शहडोल की पदमुद्रा अंकित की गई है। उन्होंने बताया कि यह आदेश पूर्णतः फर्जी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय शहडोल द्वारा ग्रुप डी आउटसोर्स कर्मचारियों की नियुक्ति के संबंध में कोई भी आदेश प्रसारित नहीं किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि ग्रुप डी आउटसोर्स कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए श्रीकृष्णा सिक्योरिटी सर्विसेस 32, श्रीकृष्णा गृह निर्माण सोसायटी चूना भट्ठी कोलार रोड भोपाल को अधिकृत आउटसोर्स एजेन्सी को मानव संसाधन उपलब्ध कराने की जवाबदारी सौंपी गई है। श्रीकृष्णा सिक्योरिटी सर्विसेस कंपनी के स्थानीय सुपरवाईजर द्वारा जानकारी दी गई है कि ग्रुप डी के इन फर्जी ओदशों के संबध में पुलिस अधीक्षक शहडोल को 06 अप्रैल 2026 को पत्र के माध्यम से सूचना दी गई है। आम जन से सोशल मीडिया वाट्सअप ग्रुप में प्रसारित होने वाले आदेशों से सतर्क रहने की अपील मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा द्वारा की गई है।

संग्राम सिंह बने अर्जेंटीना में एमएमए खिताब जीतने वाले पहले भारतीय

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। भारत के संग्राम सिंह ने अर्जेंटीना में मिक्स्ड मार्शल आर्ट् (एमएमए) खिताब जीत लिया है। संग्राम ये एक अहम उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय हैं। संग्राम ने खिताबी मुकाबले में फ्रांस के फाइटर फ्लोरियन को दो मिनट में ही हरा दिया। इस जीत के साथ ही संग्राम ने एक बार फिर अपने को साबित किया है। संग्राम की एमएमए में यह लगातार तीसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने जॉर्जिया के त्बिलिसी और नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम में भी मुकाबले जीते थे। वह कॉमनवेल्थ हेवीवेट चैंपियन भी रहे हैं। वहीं जीत के बाद संग्राम ने कहा, मेरे लिए जीत या हार अधिक महत्वपूर्ण नहीं है। मैं या तो जीतता हूं या सीखता हूं। मैं हमेशा कहता हूं कि जुनून की कोई उम्र नहीं होती। मेरा सपना था कि मैं अर्जेंटीना में जीतने वाला पहला भारतीय बनूं और आज मेरा सपना पूरा हो गया है। संग्राम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच को दिया है। उन्होंने कहा, मैं अपने कोच का आभार व्यक्त करता हूं, जो पिछले 25 साल से मेरे साथ हैं। उन्होंने मेरी सफलता के लिए दिन-रात मेहनत की। संग्राम के सामने फ्लोरियन काफी कमजोर नजर आये भारतीय रेसलर ने उन्हें पहले किक पकड़कर गिराया और फिर अपने दांव आजमाकर मैच अपने नाम कर लिया। संग्राम ने इससे पहले भी कई देशों में हुए खिताबी मुकाबले जीते हैं और वह इस क्षेत्र में देश का नाम रौशन करते आये हैं।

गोल्फर स्पॉन ने टेक्सास ओपन जीता

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिकी गोल्फर जेजे स्पॉन ने बेल्वरों टेक्सास ओपन गोल्फ खिताब जीता है। स्पॉन ने फाइनल राउंड में 5-अंडर 67 का स्कोर करते हुए एक शॉट से जीत हासिल की। टूर्नामेंट के अंतिम दौर में 16वें होल पर स्पॉन ने शानदार बर्डी के बाद 17वें होल पर अपने बेहतरीन शॉट के साथ ही ईगल बनाकर बढ़त दर्ज की। वहीं 18वें होल पर पार बनाकर उन्होंने कुल 17-अंडर 271 स्कोर के साथ लक्ष्य हासिल कर लिया। नंबर एक स्थान पर रहे स्पॉन का मनोबल इस सफलता से द मास्टर्स से पहले बढ़ा है। इस टूर्नामेंट में रॉबर्ट मैकइंटायरी दूसरे नंबर पर रहे। 17वें होल पर मैकइंटायरी ने ईगल बनाकर स्पॉन को कड़ी टक्कर दी पर अंतिम होल पर वह सही शॉट नहीं लगा पाये। उनका बर्डी पुट भी छोटा रहा जिससे वह प्लेऑफ में नहीं पहुंचे। मैकइंटायर दूसरे स्थान पर रहे। उनके साथ मैट वालेस और माइकली किम भी संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। वहीं लुडविग एबर्ग तीसरे नंबर पर रहे।

फिटनेस टेस्ट में पास हुए धोनी तो दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में उतरेंगे

चेन्नई, एजेंसी

आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अपने शुरुआती तीनो ही मैचों में हार के कारण मुश्किलों में फंसी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए राहत की खबर है। टीम को पांच बार खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी की अगले मैच में वापसी हो सकती है बशर्ते वह फिटनेस टेस्ट में पास हो जाएं। धोनी काफ इंजरी (पिंडली की चोट) के कारण अब तक इस लीग में नहीं खेल पाये हैं हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है पर उन्हें खेलने की अनुमति फिटनेस टेस्ट में पास होने पर ही मिलेगी। अगर सब कुछ ठीक ठाक रहा तो वह 11 अप्रैल को चेन्नई में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मैच से वापसी करेंगे। अगर ऐसा होता है तो सीएसके का मनोबला बढ़ जाएगा। धोनी के नहीं होने पर सीएसके को काफी परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है। उनके रहने से टीम को मार्गदर्शन मिलता रहता है। इस बार आईपीएल 2026 अंकतालिक में टीम का खाता भी नहीं खुला है और वह सबसे नीचे 10वें स्थान पर है। सीएसके के लिए इस मैच से युवा डेवाल्ड ब्रेविस भी वापसी कर सकते हैं क्योंकि अब वह भी अपनी चोट से उबर गये हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने अगले मुकाबले में अगर धोनी और ब्रेविस खेलते हैं तो इससे सीएसके को काफी लाभ होगा। अगले कुछ दिनों में धोनी का फिटनेस टेस्ट होने की संभावना है और अगर वह इसमें पास हो गए तो चेपॉक में दिल्ली के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। आईपीएल में सीएसके धोनी पर कितना निर्भर है इसका अंदाजा आंकड़ों से होता है। अब तक धोनी ने केवल 8 मुकाबले नहीं खेल हैं। 3 मुकाबले 2010 में, 2 मुकाबले 2019 में और 3 मुकाबले अब तक 2026 में उन्होंने नहीं खेले हैं। हैरानी की बात ये है कि जिन 8 मैचों में एमएस धोनी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं रहे हैं, उनमें से केवल एक ही मैच में सीएसके जीती है। वहीं बचे हुए 7 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है।

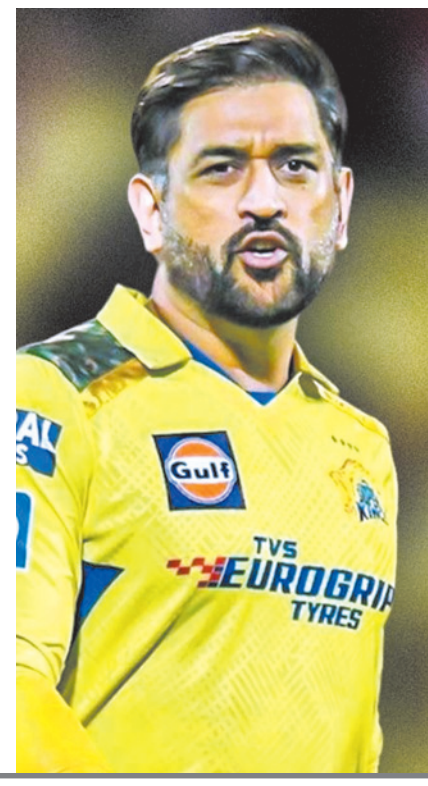

इस तरह की बॉलिंग के लिए धोनी ने कभी हां नहीं कहा: अंबाती रायुडू

चेन्नई, एजेंसी

भारत और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने सीएसके की डेथ ओवर की बॉलिंग पर निशाना साधा है।

सीएसके ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आखिरी पांच ओवर में 97 रन लुटाए थे। इसमें आखिरी ओवर में 30 रन शामिल हैं। टिम डेविड ने 25 गेंद में तीन चौके और आठ छक्के की मदद से 70 रन बनाकर पूरा पासा पलट दिया था। हालांकि, रायुडू ने कहा है कि जिस लेंथ पर चेन्नई के गेंदबाजों ने गेंदबाजी की, उस लेंथ पर गेंदबाजी करने से महेंद्र सिंह धोनी ने हमेशा मना किया था। आरसीबी ने रविवार को सीएसके को 43 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए 250 रन बनाने के बाद, उसने सीएसके को 207 रन पर समेट दिया। आरसीबी ने जेमी ओवरटन के आखिरी ओवर में 30 रन बटोरे थे। ओवरटन ने राउंड द विकेट गेंदबाजी की और डेविड ने इस एंगल का फायदा उठाते हुए लगातार चौके-छक्के लगाए। रायुडू ने बताया कि पहले भी सीएसके के गेंदबाज प्रैक्टिस सेशन में इस एंगल से गेंदबाजी की कोशिश करते थे, लेकिन धोनी ने मैच में इसके लिए कभी हामी नहीं भरी। रायुडू ने कहा कि बल्लेबाजों को इस एंगल को काउंटर करने में आसानी होती है।

कप्तान धोनी ने इस एंगल से गेंदबाजी से हमेशा मना किया

रायुडू ने ईएसपीएन क्रिकइनफो से कहा, गेंदबाजों ने प्रैक्टिस सेशन में कई बार इस तरह की गेंदबाजी की कोशिश की, लेकिन मैचों में यह कभी लागू नहीं हुआ, क्योंकि धोनी ने डेथ ओवरों में इस एंगल से गेंदबाजी से मना किया था। एक बल्लेबाज के तौर पर हमें इस एंगल से बल्लेबाजी करने में आसानी होती है और राउंड द विकेट से आ रही गेंदों को अच्छे से काउंटर कर सकते हैं। अगर आप क्रीज से आधे फुट बाहर खड़े होते हैं, तो उस एंगल के प्रभाव को पूरी तरह से खत्म कर सकते हैं। मुझे लगता है कि इस पर सीएसके को गौर करने की जरूरत है। आपको पारंपरिक गेंदबाजी पर फोकस करना चाहिए। अच्छी यॉर्कर फेंकें, स्लो गेंद फेंकें और चीजों को सिंपल और साधारण रखें।'

आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनने की दौड़ में शामिल सैमसन-बुमराह

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनने की दौड़ में शामिल हैं। इन दोनों खिलाड़ियों ने टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था जिसके दम पर इन्हें नामित खिलाड़ियों में जगह मिली है। इन दोनों के अलावा न्यूजीलैंड सीरीज से टी20 अंतरराष्ट्रीय में डेब्यू करने वाले दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज कोनोर एस्टरहुइजेन भी नामित खिलाड़ियों में शामिल हैं।

टी20 विश्व कप के आखिरी कुछ मैचों में शानदार प्रदर्शन करके प्लेयर आफ द टूर्नामेंट रहे संजू को बुमराह के साथ नामांकन में जगह मिली है। बुमराह फाइनल मैच में प्लेयर ऑफ द मैच थे। सैमसन शुरुआती मैचों से बाहर रहे लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाफ क्वार्टर फाइनल की तरह रहे मैच में नाबाद 97 रन बनाए और इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई में सेमीफाइनल के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 89 रन की पारी खेली। सैमसन ने टी20 विश्व कप के पांच मैच खेले, जिसमें 80.25 की औसत के साथ 321 रन बनाए। वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में तीसरे स्थान पर रहे। सैमसन ने नामीबिया के खिलाफ 22 रन और जिम्बाब्वे के विरुद्ध 24 रन की पारी खेली। इसके बाद उनके प्लेइंग इलेवन में खेलने पर सवाल खड़े होने लगे, लेकिन संजू ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध निर्णायक सुपर-8 मैच में नाबाद 97 रन की पारी खेलकर टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया। सेमीफाइनल मैच में इंग्लैंड के खिलाफ संजू सैमसन ने 89 रन की पारी खेली और भारत की जीत के हीरो बने। उनकी इस पारी के साथ भारत ने फाइनल में प्रवेश किया, जहां न्यूजीलैंड के खिलाफ संजू ने 89 रन बनाकर भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। वहीं, बुमराह ने फाइनल में चार ओवर में 15 रन देकर चार विकेट लिए थे।

इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन अभी कुछ समय मैदान से दूर रहेंगे

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन चोटिल हो गये हैं और ऐसे में आने वाले टूर्नामेंटों में उनका खेलना संदिग्ध नजर आता है। केन को अभ्यास सत्र के दौरान यह चोट लगी थी। इसी कारण उन्हें कुछ समय के लिए मैदान से दूर रहना पड़ सकता है क्योंकि प्रबंधन उनकी वापसी को लेकर कोई खतरा नहीं उठाना चाहता है। एक रिपोर्ट के अनुसार केन के टखने में चोट लगी है, जिसकी वजह से वह अहम वाले मुकाबलों से बाहर रहेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार केन को यह चोट अभ्यास सत्र के दौरान लगी थी। इसी कारण वह एक मैत्री मैच में भी नहीं खेल सके। इसके अलावा एक अन्य मुकाबले में आराम दिया गया था, जिससे उनकी फिटनेस को लेकर पहले ही प्रशंसकों को आशंका हो गयी थी। वहीं उनक क्लब के मुख्य कोच ने कहा है कि वह अगले घरेलू लीग मुकाबले में नहीं रहेंगे। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई है कि हेरी शीघ्र ही वापसी करेंगे। वह अंतरराष्ट्रीय क्लब टूर्नामेंट में खेल सकते हैं। यह मुकाबला काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है और इसमें उनकी भूमिका निर्णायक हो सकती है।

जीत का जश्न...

बुखारेस्ट में एटीटी टिरियाक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते हुए अर्जेंटीना के मैरियानो नवोना।

व्यापार

बैंकिंग शेयरों पर दबाव गहराया आगे और गिरावट के संकेत

₹5,000 करोड़ के नुकसान की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी

बैंकिंग शेयरों पर दबाव बढ़ता जा रहा है और आने वाले समय में इसमें और गिरावट की आशंका जताई जा रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक सख्त मौद्रिक नीति, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और वैश्विक कारकों का असर बैंकिंग सेक्टर की कमाई पर पड़ सकता है। बैंकिंग सेक्टर के लिए मौजूदा माहौल चुनौतीपूर्ण नजर आ रहा है। बाजार के जानकारों के अनुसार, करेंसी ट्रेड से बाहर निकलने के कारण बैंकों को करीब 5000 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है। यह नुकसान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के निर्देशों के चलते संभव है। विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने भी दबाव बढ़ाया है। मार्च के पहले दो हफ्तों में विदेशी निवेशकों ने वित्तीय शेयरों से करीब 32,700 करोड़ रुपये निकाल लिए, जिससे बाजार में कमजोरी आई। इसका असर निफ्टी बैंक इंडेक्स पर भी पड़ा है, जिसकी वैल्यू मार्च की शुरुआत से करीब 95 अरब डॉलर घट चुकी है और यह बेयर मार्केट के करीब पहुंच गया है। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक सख्त मौद्रिक नीति के कारण शॉर्ट से मीडियम टर्म में बैंक शेयरों पर दबाव बना रह सकता है। वहीं फिच रेटिंग्स का अनुमान है कि मार्च 2027 तक बैंकों का नेट इंटरेस्ट मार्जिन 20-30 बेसिस प्वाइंट तक घट सकता है। भारत का लगभग 4.5 ट्रिलियन डॉलर का शेयर बाजार काफी हद तक बैंकिंग सेक्टर पर निर्भर है। ऐसे में बैंक शेयरों में गिरावट पूरे बाजार को प्रभावित कर सकती है, जो इस साल पहले ही करीब 13 प्रतिशत टूट चुका है। रुपये को संभालने के लिए आरबीआई के कदमों से बाजार में तरलता कम हो रही है, जिससे बैंकों की लेंडिंग क्षमता प्रभावित हो सकती है। साथ ही पश्चिम एशिया में जारी तनाव भी आर्थिक गतिविधियों और कर्ज की मांग पर असर डाल सकता है। हालांकि, सिटीबैंक का मानना है कि मौजूदा गिरावट के बाद निजी बैंक बेहतर स्थिति में हैं और वे इस दबाव को अपेक्षाकृत मजबूती से झेल सकते हैं।

भारत में स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता क्षेत्रों में रोजगार में वृद्धि की संभावना

2030 तक बदल जाएगी रोजगार की तस्वीर, लगभग 13,33,700 तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (इक्रियर) के अध्ययन के अनुसार भारत मेंस्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता (ईई) क्षेत्रों में रोजगार अगले चार वर्षों में तीन गुना बढ़ सकता है। 2021-22 में इन क्षेत्रों में कुल रोजगार 4,44,900 था, जो 2029-30 तक लगभग 13,33,700 तक पहुंचने की संभावना है। अध्ययन के अनुसार वर्ष 2029-30 तक स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में 9,05,000 और ऊर्जा दक्षता में 4,28,700 रोजगार होने की उम्मीद है। 2021-22 में स्वच्छ ऊर्जा और अन्य पारंपरिक स्वच्छ ऊर्जा में रोजगार 3,18,000 और ईई में 1,26,900 था। इक्रियर का कहना है कि यदि भारत 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करता है तो संबंधित रोजगार 2.8 गुना बढ़ जाएंगे। वहीं 15 करोड़ टन तेल समतुल्य ऊर्जा बचत का लक्ष्य प्राप्त होने पर ईई में रोजगार 3.8 गुना बढ़ने की संभावना है। विश्लेषण में यह भी सामने आया कि सौर ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार का हिस्सा सबसे अधिक रहेगा। अध्ययन में यह भी उजागर हुआ कि वर्ष 2022-2030 के बीच गुजरात में 79,000 व राजस्थान में 77,000 अतिरिक्त नौकरियों का सृजन होगा और ये सबसे अधिक रोजगार सृजन करने वाले राज्य बनने की उम्मीद है। पवन ऊर्जा आधारित रोजगार सृजन के मामले में तमिलनाडु और गुजरात अग्रणी हैं जबकि आंध्र प्रदेश में बड़े जलविद्युत आधारित रोजगार में सबसे अधिक हिस्सेदारी होने की उम्मीद है। छतों पर सौर पैनल लगाने से संबंधित रोजगार के मामले में गुजरात के अग्रणी रहने की उम्मीद है जबकि जमीन पर लगाए जाने वाले सौर पैनल में सबसे अधिक अतिरिक्त रोजगार राजस्थान में मिलने की संभावना है। ऊर्जा दक्षता के रोजगार में तमिलनाडु का दबदबा है और उसके बाद गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक आते हैं।

शीर्ष नौ शहरों में विदेशी कंपनियों ने 91 लाख वर्गफुट कार्यालय स्थान लिए पट्टे पर

नई दिल्ली, एजेंसी। जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में भारत के शीर्ष नौ शहरों में विदेशी कंपनियों द्वारा कार्यालय स्थान पट्टे पर लेने की गतिविधि रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। एक रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान कुल 91 लाख वर्ग फुट कार्यालय स्थान पट्टे पर लिया गया, जो किसी भी तिमाही का अब तक का उच्चतम आंकड़ा है। कंपनी के अनुसार इन नौ शहरों में कुल कार्यालय पट्टे की मात्रा 2.07 करोड़ वर्ग फुट रही, जो पिछले साल इसी अवधि के 1.97 करोड़ वर्ग फुट की तुलना में 5 फीसदी अधिक है। इन शहरों में मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, कोलकाता, अहमदाबाद और कोच्चि शामिल हैं। बेंगलुरु ने 29 फीसदी हिस्सेदारी के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद दिल्ली-एनसीआर 22 फीसदी और मुंबई 16 फीसदी के साथ प्रमुख शहर बने।

होर्मुज तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच वैश्विक तेल कीमतों में तेज की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को दी गई चेतावनी के बाद बाजार में अनिश्चितता बढ़ गई। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.74 प्रतिशत बढ़कर 109.8 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। वहीं रवीवार को अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत 1.4 फीसदी बढ़कर 110.60 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई, जबकि अमेरिकी क्रूड (डब्ल्यूटीआई) में 1.8 फीसदी की तेजी आई और यह 113.60 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर होर्मुज को तुरंत नहीं खोला गया, तो ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमला किया जा सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका कड़े सैन्य कदम उठा सकता है। इस बयान के जवाब में एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने स्पष्ट किया कि मौजूदा परिस्थितियों में जलडमरूमध्य नहीं खोला जाएगा। उनका कहना था कि जब तक युद्ध से हुए नुकसान की पूरी भरपाई नहीं होती, तब तक यह मार्ग बंद रहेगा।

जिंदल स्टील ने ईंधन संकट में सिंगैस का इस्तेमाल शुरू किया

नई दिल्ली, एजेंसी

ईंधन की कमी के बीच जिंदल स्टील ने अपने उच्च तापमान वाली भट्टियों में सिंथेसिस गैस (सिंगैस) का इस्तेमाल शुरू किया है। इससे प्राकृतिक गैस, एलपीजी और प्रोपेन की आपूर्ति में व्यवधान के बावजूद उत्पादन में निरंतरता बनी। यह इस्पात उद्योग में ऐसा पहला प्रयास है। सिंथेसिस गैस एक स्वच्छ जलने वाला ईंधन है जो अपशिष्ट और जैविक पदार्थों को ऊर्जा में बदलता है। जिंदल स्टील ने इसे कोयले के गैसीकरण से तैयार किया है। इसके इस्तेमाल से गैल्वनाइजिंग लाइन में इस्पात पर जस्ता की परत और कलर कोटिंग लाइन में धातु पर रंग की परत चढ़ाने वाली भट्टियों का संचालन सुचारू हुआ। कंपनी ने देश का पहला डीआरआई संयंत्र स्थापित किया है, जिसमें सिंगैस का इस्तेमाल लोहे के उत्पादन में होता है। इसके साथ ही ब्लास्ट फर्नेस में सिंगैस इंजेक्शन से आयातित कोकिंग कोयले पर निर्भरता कम हुई और प्रति टन इस्पात कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आई। अंगुल संयंत्र के एक कार्यकारी निदेशक के अनुसार स्वदेशी कोयले से तैयार सिंगैस आयातित गैस, अमोनिया और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस का विकल्प बन सकता है। इससे भारत को अपने विशाल कोयला भंडार का उपयोग कर भविष्य में कम कार्बन उत्सर्जन वाली वृद्धि सुनिश्चित करने और विदेशी मुद्रा बचाने में मदद मिलेगी। जिंदल स्टील के संयंत्र ओडिशा (अंगुल), छत्तीसगढ़ (रायगढ़) और झारखंड (पतरातू) में हैं, और कंपनी का भारत और अफ्रीका में भी रणनीतिक परिचालन है।

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मार्च में 14 महीने में सबसे धीमी रही

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सेवा क्षेत्र में मार्च 2026 में विस्तार जारी रहा, लेकिन वृद्धि की गति पिछले 14 महीनों में सबसे धीमी रही। एचएसबीसी इंडिया द्वारा जारी मासिक सर्वेक्षण के अनुसार, मौसमी रूप से समायोजित सेवा पीएमआई कारोबार सूचकांक फरवरी के 58.1 से घटकर मार्च में 57.5 पर आ गया। पीएमआई में 50 से ऊपर अंक गतिविधियों के विस्तार और 50 से कम अंक संकुचन का संकेत देते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, मार्च में नए कारोबार की वृद्धि धीमी रही, लेकिन नए निर्यात आदेशों में तेज उछाल दर्ज किया गया। कंपनियों ने अफ्रीका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, अमेरिका और पश्चिम एशिया से मांग बढ़ने की बात कही। सर्वेक्षण में यह भी बताया गया कि बिक्री मूल्य मुद्रास्फीति सात महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, क्योंकि कच्चे माल की लागत में तेज वृद्धि हुई।

सीमेंट सेक्टर में सुस्ती, कीमतों में जल्द बढ़ोतरी की उम्मीद

मार्च में मांग कमजोर रही, लेकिन दक्षिण और पश्चिम भारत में कीमतों में तेजी के संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी

एक रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2026 में सीमेंट की मांग कमजोर रही, खासकर महीने की शुरुआत में। हालांकि महीने के अंत तक कुछ सुधार देखने को मिला। कीमतें ज्यादातर स्थिर रहीं, लेकिन अब बाजार में तेजी के संकेत दिख रहे हैं। दक्षिण भारत में गैर-खुदरा सेगमेंट में कीमतें करीब 50 रुपये प्रति बैग बढ़ गई हैं। अन्य हिस्सों में जल्द ही 10ङ्क15 रुपये प्रति बैग तक बढ़ोतरी संभव है। सीमेंट कंपनियों के लिए लागत बढ़ना भी चिंता का कारण है। पेटकोक की कीमत बढ़कर 142 डॉलर प्रति टन हो गई है, जो पिछली तिमाही के मुकाबले 27 डॉलर अधिक है। पैकेजिंग लागत में भी वृद्धि हो रही है, जिसका असर मुनाफे पर पड़ सकता है।

क्षेत्रवार स्थिति में पूर्वी भारत में मांग महीने के अंत में सुधरी, दक्षिण भारत में सप्लाई पर पैकेजिंग दिक्कतों का असर पड़ा। उत्तरी भारत में मांग कमजोर रही, लेकिन एनसीआर में कीमतें 10 रुपये प्रति बैग बढ़ीं। मध्य और पश्चिमी भारत में कीमतें स्थिर रही, लेकिन आने वाले दिनों में 10-15 रुपये प्रति बैग तक बढ़ोतरी की संभावना है। रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि आने वाले महीनों में हाउसिंग और इन्फ्रास्ट्रक्चर गतिविधियों से मांग में सुधार और कीमतों में तेजी देखने को मिल सकती है।

मुख्यमंत्री, प्रदेशाध्यक्ष एवं संगठन महामंत्री ने किया मीडिया विभाग की बैठक को संबोधित

संगठन के कार्यों को भगवान का कार्य मानकर पूरी निष्ठा से करें : मोहन

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल एवं क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया विभाग की बैठक को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आप सभी प्रदेश के सह मीडिया प्रभारी, प्रदेश प्रवक्ता, प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट और मीडिया विभाग के सदस्यगण कार्यकर्ता भाव से पार्टी संगठन और सरकार के कार्यों को जनता तक पहुंचाएं। विपक्षी दल असली मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए गलत नैरेटिव बनाते है। हमें तथ्यों के साथ पार्टी संगठन और सरकार का पक्ष मीडिया में रखना है और जनता तक सरकार व संगठन के कार्यों और उपलब्धियों को पहुंचाना है। संगठन के कार्यों को भगवान का कार्य मानकर पूरी निष्ठा के साथ दायित्व का निर्वहन करें। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रवक्तागण पार्टी के विचार, संस्कार व संगठन का चेहरा होते हैं। भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों-उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी आप सभी मीडिया विभाग के जुझारू और कर्मठ कार्यकर्ताओं पर है। पार्टी का मीडिया विभाग पार्टी की विचारधार व सोच को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएं। भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने मीडिया विभाग के नवनियुक्त पदाधिकारियों को नवीन दायित्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पार्टी संगठन ने आप सभी कार्यकर्ताओं को बहुत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी की विचारधारा के आधार पर संगठन और सरकार के कार्यों को प्रभावी तरीके से जनमानस तक पहुंचाना और विपक्षी दलों के भ्रामक नैरेटिव का तथ्यों के साथ जवाब देने का कार्य कार्य करें।

भाजपा संगठन और सरकार की छवि निखारने की जिम्मेदारी आप पर: हेमंत खण्डेलवाल

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि आप सभी पार्टी के अनुशासित कार्यकर्ता हैं। मीडिया विभाग में नए दायित्व संभालने वाले आप सभी कार्यकर्ता पहले भी पार्टी में किसी न किसी दायित्व में रहे हैं। अब आप सभी जिस दायित्व में हैं, वह पार्टी का चेहरा है। आप जो भी बात कहेंगे, वह पार्टी का अधिकृत बयान माना जाएगा। आप सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी संगठन और सरकार की छवि निखाने की जिम्मेदारी है। संगठन सर्वोपरि के सिद्धांत पर कार्य करते हुए पार्टी की विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए नवीन दायित्व का निर्वहन करें। आप सभी को सक्रिय भूमिका के साथ संगठन व सरकार के कार्यों, उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के साथ विपक्ष के भ्रामक आरोपों का भी तथ्यात्मक रूप से जवाब देना है। जनता यह मानती है कि पार्टी के प्रवक्ता जो बोलते हैं, वह पार्टी का विचार होता है। ऐसे में आप सभी की जिम्मेदारी और महत्वपूर्ण हो जाती है। विपक्ष द्वारा लगाए जाने वाले आरोपों का तथ्यों और सटीकता के साथ जवाब देना आप सभी का मूल कार्य है। विश्वास है कि आप सभी संगठन द्वारा दिए गए कार्य दायित्व का आने वाले समय में बहुत प्रभावी तरीके से जनता तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभायेंगे। हर विषय पर आपकी पकड़ मजबूत हो, आपकी प्रस्तुति स्पष्ट हो और आपकी भाषा संयमित व प्रभावशाली हो, ताकि जनता के सामने सच्चाई पूरी मजबूती के साथ रखी जा सके। तेज़ी से बदलते सूचना युग में जहां हर बात तुरंत जनता तक पहुंचती है, वहां आपकी सजगता, सक्रियता और तत्परता संगठन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

दायित्व एक पद नहीं, विश्वास, जिम्मेदारी और सेवा का प्रतीक है - आशीष उषा अग्रवाल

भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी में दायित्व केवल एक पद नहीं, बल्कि यह विश्वास, जिम्मेदारी और सेवा का प्रतीक है। हम सिर्फ सूचना संप्रेषणकर्ता नहीं, बल्कि नैरेटिव के निर्माता हैं। प्रदेश की राजनीति में विमर्श की दिशा तय करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी गंभीरता, प्रतिबद्धता और निष्ठा के साथ निभानी होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल के मार्गदर्शन हमें न केवल उच्चतम मानकों तक पहुंचने की प्रेरणा प्रदान करता है, बल्कि संगठन के कार्यों को सशक्त और प्रभावी बनाने के लिए एक ठोस दृष्टिकोण भी देता है। हमें उनके मार्गदर्शन में संगठन के कार्यों को और तेज, संगठित और रणनीतिक रूप से प्रस्तुत करना है। हमारी जिम्मेदारी केवल सूचनाओं का प्रसारण नहीं, बल्कि उन्हें प्रभावी और सशक्त तरीके से जन-जन तक पहुंचाना है, ताकि सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों का सही संदेश हर नागरिक तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि मीडिया टीम का उद्देश्य केवल प्रदेश स्तर पर मजबूत उपस्थिति बनाना नहीं है, कार्य को उस ऊंचाई तक ले जाना है जहां यह देशभर में एक आदर्श और सर्वश्रेष्ठ मॉडल के रूप में पहचाना जाए। हमारी जिम्मेदारी अब केवल पार्टी तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और देश के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का भी प्रतीक बननी चाहिए। समर्पण, अनुशासन और समन्वय के साथ काम करते हुए संगठन को हर मोर्चे पर सशक्त और मजबूत बनाने का आह्वान किया। परिचयात्मक बैठक में पार्टी के प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी मंचासीन रहे।

सरकार-संगठन के कार्यों को जनता तक पहुंचाने की जिम्मेदारी आपकी: मोहन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार और संगठन के कार्यों को जनता तक पहुंचाने की जिम्मेदारी आपकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार कई योजनाएं संचालित कर रही हैं, वह हर समाज वर्ग के कल्याण के लिए हैं। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के अवतार को लेकर देवर्षि नारद का कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि देवर्षि नारद ने कहा था कि मैं भगवान का कार्य कर रहा हूं। इसी तरह मीडिया विभाग के आप सभी कार्यकर्तागण पार्टी संगठन के कार्यों को भगवान का कार्य मानकर करें। मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के उल्लेखनीय कार्यों से बंपर उत्पादन हो रहा है। सरकार के प्रयासों व किसानों की मेहनत से पहले से ही हमारे प्रदेश के गोदाम अनाजों से भरे हैं। ऐसे में गेहूं की खरीदी 10 अप्रैल से शुरू की जा रही है। लेकिन कांग्रेस पार्टी ने भ्रामक प्रचार करते हुए गलत नैरेटिव सेट करने में लगी है। आप सभी जनता को यह वास्तविकता से अवगत कराएं कि बारदानों की कमी और युद्ध के कारण प्लास्टिक के बैग की कमी के कारण गेहूं की खरीदी 10 अप्रैल से शुरू होगी। इसी तरह विपक्ष के हर गलत नैरेटिव का सक्रियता और प्रमुखता के साथ तथ्यों के साथ जवाब देना है। मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि पार्टी संगठन द्वारा दिए गए दायित्व का पूरी कर्मठता के साथ निर्वहन कर संगठन और सरकार के कार्यों को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे।

न्यूज इन शॉर्ट

राज्य स्तरीय वार्षिक जैव-विविधता पुरस्कार-2025 के लिये प्रविष्टियों के आमंत्रण की अंतिम तिथि 20 अप्रैल

विजय मत, भोपाल। प्रदेश में जैव-विविधता संरक्षण को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा राज्य स्तरीय वार्षिक जैव विविधता पुरस्कार-25 के लिये प्रविष्टियाँ 20 अप्रैल 2026 तक आमंत्रित की गई हैं। विभिन्न श्रेणियों में जैव-विविधता पुरस्कार के लिये जैव-विविधता स्वामित्व रखने वाले वन, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मछली पालन, जल संसाधन विभाग और जैव-विविधता प्रबंधन समिति ग्राम पंचायत/जनपद पंचायत / नगर पंचायत / नगर पालिका/नगर निगम स्तर पर गठित जैव-विविधता प्रबंधन समितियाँ। संस्थागत (अशासकीय), व्यक्तिगत (अशासकीय), व्यक्तिगत (शासकीय) पहुंच एवं लाभ प्रभाजन के अधिकतम अनुबंध पहुंच एवं लाभ प्रभाजन की अधिकतम राशि श्रेष्ठ वनमंडल एवं श्रेष्ठ वनवृत्त के अंतर्गत विशिष्ट कार्य करने वाले अपनी प्रविष्टियाँ जमा कर सकते हैं। प्रविष्टियों का निर्धारित प्रारूप एवं अन्य जानकारियॉ बोर्ड की वेबसाईट से डाउन लोड करें।

विस की नवगठित सभा समितियों की प्रथम संयुक्त बैठक आज

विजय मत, भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा वर्ष 2026 -27 के लिए सभा समितियों का गठनकिया गया है जिसकी संयुक्त बैठक, मंगलवार, 7 अप्रैल को अपराह्न 3:00 बजे से विधानसभा के मानसरोवर सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष तोमर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय,समितियों के सभापति एवं सदस्यगण उपस्थित रहेंगे। गठित समितियों में चार वित्तीय समितियां, लोक लेखा समिति, सरकारी उपक्रमों सबंधी समिति,प्राक्कलन समिति तथा स्थानीय निकाय एवं पंचायती राज लेखा समिति शेष अन्य पंद्रह समितियां, कार्यमंत्रणा समिति, गैर सरकारी सदस्यों के विधेयकों तथा संकल्पों संबंधी समिति, याचिका एवं अभ्यावेदन समिति, प्रत्यायुक्त विधान समिति, शासकीय आश्वासनों संबंधी समिति, विशेषाधिकार समिति, नियम समिति, सदस्य सुविधा समिति, पुस्तकालय अनुसंधान एवं संदर्भ समिति, पटल पर रखे गए पत्रों का परीक्षण करने संबंधी समिति, प्रश्न एवं संदर्भ समिति आदि का गठन किया गया है।

कार्य की प्रगति का अवलोकन

विजय मत, ब्यूरो ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को ग्वालियर प्रवास के दौरान मध्य प्रदेश के पहले एलिवेटेड रोड (फेज-1) का स्थल निरीक्षण कर कार्य की प्रगति का अवलोकन कर अधिकारियों को गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उनके साथ मंत्रीद्वय तुलसी सिलावट एवं प्रद्युम्न सिंह तोमर भी साथ रहे।

प्रभारी मंत्री कुशवाह ने किया औचक निरीक्षण
जल संसाधन के कार्यपालन यंत्री निलंबित

विजय मत, ब्यूरो निवाड़ी

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांजन कल्याण तथा निवाड़ी जिले के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने निवाड़ी जिले में जल संसाधन विभाग के निर्माण कार्य में लापरवाही पाये जाने पर कार्यपालन यंत्री जल संसाधन संभाग निवाड़ी को निलंबित करने के निर्देश दिये हैं।

प्रभारी मंत्री कुशवाह से निवाड़ी जिले में विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान स्थानीय प्रतिनिधियों द्वारा जल संसाधन विभाग के कार्यों में लापरवाही की शिकायत की गई थी। इस शिकायत के आधार पर स्थानीय जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ उन्होंने जनपद पंचायत पृथ्वीपुर की ग्राम पंचायत लुहरगुवां स्थित नहर के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। प्रभारी मंत्री कुशवाह ने निरीक्षण में कार्यपालन यंत्री हेमन्त गुप्ता द्वारा बैठक में बताये अनुसार कार्य नहीं पाये जाने पर कलेक्टर श्रीमती जमुना भिड़े को निलंबन की कार्रवाई के निर्देश दिये। उन्होंने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को ई.ई. जल संसाधन के समस्त कार्यों की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को भी कहा है। कलेक्टर श्रीमती भिड़े द्वारा कार्यपालन यंत्री का निलंबन का प्रस्ताव आयुक्त सागर संभाग को भेज दिया गया है।

ई-स्कूटर अनुदान योजना से दमोह की सायरा बी बनीं आत्मनिर्भर

विजय मत, ब्यूरो दमोह

श्रम विभाग द्वारा संचालित ई-स्कूटर अनुदान योजना 2024 श्रमिकों के जीवन में परिवर्तन का एक प्रभावी माध्यम बनकर उभर रही है। दमोह में गत दिनों महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्रमिक महिला सायरा बी को ई-स्कूटर की चाबी प्रदान की। अब उनका जीवन रोज के कामकाज के लिये किसी सहारे का मोहताज नहीं रहा।

भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल, भोपाल द्वारा संचालित इस योजना में सायरा बी को 40 हजार रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस सहयोग से अब उनके लिए आवागमन आसान हो गया है, जिससे उनके जीवन स्तर में भी सकारात्मक सुधार आया है। ई-स्कूटर अनुदान योजना विशेष रूप से श्रमिक परिवारों, खासकर महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। इससे न केवल उनकी दैनिक जीवन की कठिनाइयाँ कम हो रही हैं, बल्कि वे आत्मनिर्भर बनकर समाज में अपनी मजबूत पहचान भी स्थापित कर रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार की योजनाएं महिला सशक्तिकरण को नई दिशा देती हैं और ग्रामीण व अर्ध-शहरी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को गति प्रदान करती हैं। ई-स्कूटर अनुदान योजना-2024 श्रमिकों के जीवन में सुविधा, आत्मनिर्भरता और सम्मान का नया अध्याय जोड़ रही है।

हिनौती गौधाम गौ संरक्षण एवं प्राकृतिक खेती का दिव्यधाम बनेगा : उपमुख्यमंत्री

प्रशासनिक भवन सहित विभिन्न निर्माण कार्यों का किया लोकार्पण

विजय मत, भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि हिनौती गौधाम गौ संरक्षण एवं प्राकृतिक खेती का दिव्य धाम बनेगा। गौधाम में 25 हजार गायों का आश्रय स्थल बनाया जा रहा है। इसी के साथ ही प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण केन्द्र भी बनाया जाएगा जिससे गाय के गोबर और अन्य प्रकल्पों के माध्यम से प्राकृतिक खेती का प्रदर्शन कर किसानों को अपने खेतों में प्राकृतिक खेती करने के लिए जागरूक किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने गौधाम में नवनिर्मित प्रशासनिक भवन एवं जनभागीदारी से बनाई गई पानी की टंकी व अन्य निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने प्राकृतिक खेती स्थल का भूमिपूजन भी किया। प्रशासनिक भवन का निर्माण 76 लाख रुपए की लागत से कराया गया है। इसमें 25 लाख रुपए सांसद निधि से, 5 लाख रुपए जनपद निधि से तथा 42 लाख रुपए जनभागीदारी निधि से प्रदत्त किए गए हैं।

रायसेन में उन्नत कृषि महोत्सव 11 से 13 अप्रैल तक

विजय मत, ब्यूरो रायसेन। कृषक कल्याण वर्ष-2026 में रायसेन में 11 से 13 अप्रैल तक ÷उन्नत कृषि महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव में प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों को देश के प्रतिष्ठित कृषि वैज्ञानिकों का मार्गदर्शन मिलेगा, वहीं पराली को कचरे से कंचन बनाने की तकनीक और तीन दिन तक लगातार चलने वाली प्रशिक्षण-श्रृंखला किसानों की खेती को नए पायदान पर ले जाएगी। फसल प्रबंधन से लेकर बाजार और आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जायेगी। पहले दिन 11 अप्रैल को दोपहर के सत्रों में फसल कटाई के बाद प्रबंधन और कृषि अवसंरचना कोष के उपयोग से उन्नत कृषि, डिजिटल कृषि और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित समाधान, मधुमक्खी-पालन से कृषि-आय में वृद्धि और कृषि यंत्रीकरण से खेती में उन्नति जैसे विषय शामिल रहेंगे। साथ ही, दलहन फसलों में उत्पादकता वृद्धि और क्षेत्र विस्तार, प्राकृतिक खेती, बागवानी फसलों का विस्तार तथा पराली प्रबंधन पर वेस्ट-टू-वेल्थ के साथ नुक्कड़ नाटक के जरिए किसानों को व्यावहारिक संदेश दिए जाएंगे।

स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने लखनऊ से मुख्य सरगना को किया गिरफ्तार

दुर्लभ प्रजाति के वन्यजीवों की तस्करी का बड़ा नेटवर्क एक्सपोज

विजय मत, भोपाल

स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स, भोपाल ने ट्रेन के प्रथम श्रेणी एसी कोच से दुर्लभ और प्रतिबंधित प्रजाति के वन्यजीवों की तस्करी में शामिल एक संगठित गिरोह के सरगना रविन्द्र उर्फ रमन कश्यप को उत्तर प्रदेश एसटीएफ की सहायता से लखनऊ से गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से फरार था और उस पर इनाम घोषित किया गया था। वह पिछले दो महीनों से लगातार अपनी लोकेशन बदलकर जांच एजेंसियों को चकमा दे रहा था। आरोपी को विशेष न्यायालय में पेश कर वन विभाग की रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले की जांच जारी है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव), मध्यप्रदेश के निर्देशन में मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर ट्रेन नं. 19322, पटनाइंदौर एक्सप्रेस के एसी फर्स्ट कोच में स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स, भोपाल, रेलवे सुरक्षा बल और वनमंडल भोपाल की संयुक्त टीम ने विगत 3 फरवरी को कार्रवाई की थी। कार्रवाई में संत हिरदाराम नगर स्टेशन से आरोपी अजय सिंह राजपूत को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 311 जीवित दुर्लभ एवं प्रतिबंधित प्रजाति के कछुए बरामद किए गए थे। इस संबंध में 3 फरवरी 2026 को वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था। प्रकरण की जांच के दौरान वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर प्रदेश के नीमच, मंदसौर, रतलाम, इंदौर, देवास, उज्जैन, नागदा और शाजापुर सहित उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक साथ छापामार कार्रवाई की गई। पकड़े गये आरोपियों से पूछताछ में गिरोह के सरगना के रूप में रविन्द्र उर्फ रमन कश्यप का नाम सामने आया।

विजय मत एंकर "माँ गंगा से नर्मदा तक" थीम पर मध्यप्रदेश-उत्तर प्रदेश के बीच हुआ महत्वपूर्ण एमओयू

महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य ने रचा सांस्कृतिक पुनरुत्थान का नया इतिहास

विजय मत, भोपाल

भारतीय इतिहास के पन्नों पर कुछ क्षण ऐसे अंकित होते हैं, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बन जाते हैं। अप्रैल 2026 की शुरुआत में धर्म नगरी वाराणसी के क्षितिज पर एक ऐसा ही स्वर्णिम अध्याय लिखा गया। बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी और बाबा महाकाल की नगरी अवंतिका (उज्जैन) का जब आध्यात्मिक संगम हुआ, तो विक्रमोत्सव-2026 के माध्यम से एक नया सांस्कृतिक इतिहास रचा गया। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के अंतर्गत महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा आयोजित 3 दिवसीय महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य महज़ एक कलात्मक प्रस्तुति नहीं थी, बल्कि यह भारत के गौरव को पुनर्स्थापित करने का एक शंखनाद था। वाराणसी के बी.एल.डब्ल्यू. मैदान में 3 से 5 अप्रैल तक चले इस आयोजन ने न केवल दर्शकों का मन मोहा, बल्कि सुशासन, न्याय और पराक्रम की उस गाथा को जीवंत कर दिया, जो सदियों से हमारे रक्त में प्रवाहित है। इस भव्य महानाट्य का शुभारंभ एक ऐतिहासिक दृश्य के साथ हुआ, जब मंच पर सुशासन के 2 आधुनिक ध्वजवाहक—मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ—एक साथ उपस्थित हुए। यह उपस्थिति इस बात का प्रमाण थी कि आज का भारत अपनी जड़ों की ओर लौट रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में सम्राट विक्रमादित्य को सुशासन का वैश्विक नायक बताते हुए कहा कि विक्रमादित्य का जीवन राष्ट्र प्रेम, न्यायप्रियता और प्रजा-वात्सल्य का सर्वोच्च उदाहरण है।

माँ गंगा से नर्मदा तक: पर्यटन और संस्कृति का नवीन सेतु

महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य के तीन दिवसीय आयोजन की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच हुआ ऐतिहासिक समझौता (एमओयू) रहा। "माँ गंगा से नर्मदा तक" थीम पर आधारित इस पहल का उद्देश्य काशी विश्वनाथ और महाकालेश्वर के बीच एक अभेद्य सांस्कृतिक गलियारा बनाना है। यह समझौता केवल कागजों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दोनों राज्यों के बीच पर्यटन के नए द्वार खोलेगा। इसके माध्यम से उत्तर प्रदेश के श्रद्धालु मध्यप्रदेश के आध्यात्मिक केंद्रों की ओर आकर्षित होंगे और मध्य प्रदेश के नागरिक काशी की महिमा से सीधे जुड़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन का हिस्सा बताया, जिसमें केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना जैसी विकास योजनाओं के साथ-साथ सांस्कृतिक जुड़ाव को भी प्राथमिकता दी गई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-01, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला। प्रधान संपादक- विजय शुक्ला
(*समाचार चयन के लिए पी.आरर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। आर.एन.आई. क्रमांक- MPHIN/2015/66998, e-mail: vijaymat.bhopal@gmail.com। मोबाइल- +91 88899 77997